संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-14 ◆अंक-357 ◆ रायपुर, शनिवार 25 मई 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आज का पंचांग

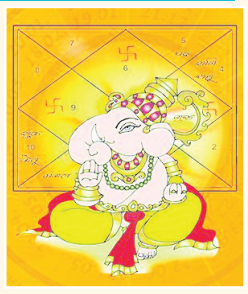

तिथि: द्वितीया
नक्षत्र: ज्येष्ठा
प्रथम : करण
द्वितीय : करण
पक्ष: कृष्ण
वार: शनिवार
योग : सिद्ध
सूर्योदय :05:27
सूर्यास्त :19:09
चंद्रमा : धनु
राहुकाल:08:52-10:35
विक्रमी संवत् :2081
शक संवत् :1944
मास : ज्येष्ठ
शुभ मुहूर्त : अभिजीत : 11:54-12:42

बस ट्रक से टकराई 7 की मौत

अंबाला (एजेंसी)। अंबाला-दिल्ली हाईवे स्थित मोहड़ा के पास शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 20 से ज्यादा घायल हो गए। सभी श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से ट्रैवलर बस में सवार होकर वैष्णो देवी दर्शन के लिए जा रहे थे। तभी अंबाला-दिल्ली हाईवे स्थित मोहड़ा के पास बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हाईवे पर ट्रक ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिस वजह से पीछे से आ रही मिनी बस उससे जा टकराई। इस हादसे में जिन सात लोगों को मौत हुई है, वो एक ही परिवार के सदस्य थे।

केदारनाथ में हेलीकॉप्टर की एमरजेन्सी लैंडिंग

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। केदारनाथ में एक निजी कंपनी के हेलीकॉप्टर को तकनीकी गड़बड़ी के कारण आपात स्थिति में हेलीपैड से कुछ ही मीटर की दूरी पर उतारना पड़ा। हेलीकॉप्टर में छह श्रद्धालु समेत सात लोग सवार थे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर में सवार पायलट और सभी श्रद्धालु सुरक्षित हैं और श्रद्धालुओं को भगवान केदारनाथ के दर्शन करा दिए गए हैं। रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार, घटना सुबह सात बजे की है जब क्रिस्टल एविएशन कंपनी के हेलीकॉप्टर ने गुप्तकाशी और सोनप्रयाग के बीच शेरसी हेलीपैड से उड़ान भरी। इसी बीच, तकनीकी खामी की जानकारी मिलते ही पायलट ने हेलीकॉप्टर को केदारनाथ हेलीपैड से कुछ दूरी पर आपात स्थिति में उतारा।

जन समस्याओं के त्वरित निराकरण पर सीएम साय का पूरा फोकस, नियुक्त किए जाएंगे नोडल अधिकारी

अफसरों को केवल पंद्रह दिन का समय देना निर्धारित

रायपुर। जन समस्याओं के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार अब अफसरों की जिम्मेदारी तय करने जा रही है. मंत्रालय से लेकर जिला स्तर तक नोडल एवं अपीलीय अधिकारियों की नियुक्ति होगी,जो पंद्रह दिन के अंदर आवेदनों का निराकरण करेंगे. छत्तीसगढ़ सरकार का स्लोगन विष्णु का सुशासन को चरितार्थ करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है.

आम तौर पर बेहद शांत और सरल माने जाने वाले मुख्यमंत्री साय ने अभी पिछले दिनों एक साक्षात्कार में कहा था कि सामान्यत: वे बेहद शांत हैं, मगर जनता की समस्याओं के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर उन्हें गुस्सा आता है. संभवत: इसी परिप्रेक्ष्य में सीएम साय ने मुख्यमंत्री जन चौपाल पोर्टल में मिले समस्याओं के त्वरित और उचित निदान के लिए एक बड़ा फैसला लिया है. इसके तहत नोडल अधिकारी और अपीलीय अधिकारी की नियुक्ति की जानी है. मंत्रालय स्तर पर अवर सचिव नोडल अधिकारी होंगे जबकि उपसचिव अपीलीय अधिकारी होंगे. इसी तरह जिला स्तर पर डिप्टी कलेक्टर अथवा संयुक्त कलेक्टर नोडल अफसर होंगे

और अपर संचालक को अपीलीय अधिकारी का दायित्व मिलने जा रहा है. जबकि संचालनालय स्तर पर सहायक संचालक नोडल अफसर होंगे और अपर कलेक्टर अपीलीय अधिकारी होंगे.

साय सरकार ने जनता से मिले आवेदनों का गुणवत्तापूर्वक और त्वरित गति से निराकरण के लिए अफसरों को केवल पंद्रह दिन का समय देना निर्धारित किया है. संबंधित विभाग अथवा शाखा के द्वारा आवेदनों के संबंध में कार्यवाही पूर्ण करने के उपरांत संबंधित नोडल अधिकारी उसका परीक्षण करेंगे और अंतिम निराकरण की कार्यवाही पर अपनी मुहर लगाएंगे. व्यवस्था यह होगी कि जिन विभागों या जिलों के द्वारा पंद्रह दिन के भीतर आवेदनों का सही तरीके से निराकरण नहीं किया जा रहा हो तो उसकी सूची स्वत: ही पोर्टल पर प्रदर्शित हो जाएगी.

इतना ही नहीं साय सरकार ने आवेदकों को उसके आवेदन के निराकरण की जानकारी तथा निराकरण के बाद फीडबैक एवं अपील करने की सुविधा दिया जाना तय किया है, जिससे आवेदक के प्रकरणों के निराकरण की गुणवत्ता में वृद्धि हो सके.

सुशासन का राज स्थापित करने की दिशा में सांय-सांय निर्णय ले रही विष्णुदेव की सरकार सभी नियुक्त किये गए नोडल एवं अपीलीय अधिकारियों के नाम-पदनाम, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी की जानकारी भी अपने कार्यालय में रखेगी.

लू : 24 घंटे में 40 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पिछले कुछ दिनों से गर्मी का जबरदस्त प्रकोप देखने को मिल रहा है। भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। ज्यादातर राज्यों में तापमान 45 डिग्री के पार चला रहा है। कई राज्यों में तापमान 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। अब गर्मी और लू से लोगो की मौत होने लगी है। अब तक देश में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

जानकारी के मुताबिक़ पिछले 24 घंटे यानी गुरुवार 23 मई को राजस्थान के अलग-अलग जिलों में कूल 8 लोगों की मौत हुई है। जालौर जिले में लू लगने से 5 ने दम तोड़ दिया है, जिसमें महाजन फील्ड फायरिंग रेंज का एक जवान भी शामिल है। सफाड़ा गांव की निवासी 42 वर्षीय कमला देवी, आहोर उपखंड के सांगड़ी गांव निवासी 30 वर्षीय पोपट लाल और रेलवे स्टेशन के पास दो बुजुर्गों की मौत हुई है। वहीं बालोतरा में हीटस्ट्रोक के कारण रिफाइनरी वर्कस्टेशन पर सिनेंद्र सिंह, रेलवे स्टेशन पर तिलवाड़ा के हीर सिंह और एक मजदुर समेत 3 की मौत हुई है। अलवर में गर्मी से 2 की जान चली गयी है. बता दें यहाँ 50 डिग्री के आसपास दर्ज किया जा रहा है।

जल संरक्षण की दिशा में बढ़े कदम

तालाबों को गहरा करने आगे आ रहे लोग

बिलासपुर (दैनंदिनी)। जिले में जल संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा जन भागीदारी से तालाबों का गहरीकरण किया जा रहा है। जल स्तर को बढ़ाने और निस्तारी की समस्या को दूर करने के लिए यह पुनीत अभियान शुरू किया गया है। कलेक्टर श्री अवनीश शरण की अपील पर लगातार लोग इस अभियान से जुड़ रहे है। जिले के अधिकारी-कर्मचारी भी इस पुनीत अभियान श्रमदान कर रहे है। जन सहयोग से एक अनूठी मिसाल पेश की जा रही है। ग्रामीण के साथ शहरी क्षेत्रों में भी अभियान को अच्छा जनसमर्थन मिल रहा है।

अभियान के प्रथम चरण में 40 तालाबों का गहरीकरण किया जा रहा है। अभियान की शुरूआत के तीन दिनों के भीतर

ही तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बिनौरी के जोगी तालाब व ग्राम पंचायत बोड़सरा के गदही तालाब में गहरीकरण कार्य जनभागीदारी से पूर्ण कराया जा चुका है एवं ग्राम पंचायत घुटकु के बंधवा तालाब (बांधा तालाब) रकबा 20 एकड़ में विगत तीन दिनों से गहरीकरण कार्य कराया जा रहा है। इसी प्रकार बिल्हा विकासखण्ड अंतर्गत कुल 6 तालाबों में जन सहयोग से गाद निकासी, गहरीकरण, साफ-सफाई आदि कार्य जोरों-शोरों से जारी है। नगर पंचायत बोदरी के जेठू तालाब, नगर पंचायत बिल्हा के ठाकुर देवा तालाब एवं बिल्हा ब्लॉक के कया, अमेरीकापा, परसदा (भ), सारधा आदि ग्राम पंचायतों के तालाबों में जन सहयोग से कार्य जारी है। मस्तूरी ब्लॉक के केवटाडीह टांगर, पेंडरी, चिल्हाटी, जांजी, सोनसरी, बेलटुकरी, जैतपुरी एवं गिधपुरी के तालाबों में जन सहयोग से गहरीकरण कार्य किया जा रहा है। कोटा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत कुरदर के मुरमाही तालाब, बारीडीह के तारबांध, जाली के कांटीपारा, कलमीटार के दर्रा, रतखंडी के पुरैना, परसापानी के जुनवानी, तुलुफ के बिहारी, चंगोरी के बरगदिया, बिल्लीबंद के अमरिया, दारसागर के उपरपारा, लूफा के भैंसामुड़ा, करगीकला के नया, धूमा के बंधिया, करका के भैंसामुड़ा एवं पीपरतराई के फगन डबरी तालाब में गहरीकरण कार्य किए जाएंगे।

व्यक्तिगत रूप से मिट्टी निकालने के साथ भारी मशीनों का उपयोग भी ठेकेदारों के सहयोग से किया जा रहा है।

स्कूटी सवार युवती के ऊपर गिरा होर्डिंग का फ्लेक्स, गंभीर रूप से हुई घायल

दुर्ग (एजेंसी)। मुंबई में बीते दिनों तेज आंधी-बारिश के चलते 100 फीट ऊंचा और 250 टन वजनी लोहे का होर्डिंग पेट्रोल पंप पर गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई थी. इस घटना के बाद सभी शहरों में होर्डिंग्स की जांच करने के निर्देश दिए गए थे. लेकिन दुर्ग में इसका असर नहीं दिख रहा है. बुधवार शाम हुई आंधी और बारिश के कारण राजेंद्र पार्क चौक के पास एक घर की छत पर लगा होर्डिंग प्लेक्स उड़ गया और उड़कर नीचे सड़क से जा रही एक स्कूटी सवार युवती पर जा गिरा. इस हादसे में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है. गनीमत रही की हादसे के वक्त सड़क पर पीछे से कोई वाहन नहीं आ रहा था, वरना युवती की जान भी जा सकती

थी. बता दें कि शहर में होर्डिंग्स की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है. पहले से लगे फ्लेक्स की ठीक तरह से जांच नहीं की जा रही है. जिसके चलते जर्जर हालत में होने के बाद भी जिन स्थानों पर होर्डिंग्स लगे हुए है वहां आंधी तूफ़ान के दौरान हादसे होने की संभावना बनी रहती है. राजेंद्र पार्क में घटना को देखकर लोगों में आक्रोश है. लोगों का कहना है कि जर्जर फ्लेक्स को निकाल देना चाहिए. साथ ही बड़े साइज के फ्लेक्स को लगाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए.

इस घटना के संबंध में जब निगम कमिश्नर लोकेश चंद्राकर से बात की गई तो उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ही होर्डिंग एडवरटाइजमेंट वालों की बैठक ली गई थी.जिसमें उन्हें सुरक्षा का ध्यान रखने संबंधित भी बातें कही गई थी. राजेंद्र पार्क वाला मामला संज्ञान में आया है. जहां घटना हुई है, उस होर्डिंग संचालक से जवाब मांगा जाएगा, लापरवाही की जांच करवाकर उसके आधार पर कार्रवाई करेंगे.

कवर्धा हादसा : हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

शपथ पत्र में बताएं हादसे रोकने क्या कर रही सरकार

बिलासपुर (एजेंसी)। कवर्धा में हुए सड़क हादसे में 19 आदिवासियों की मौत पर हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है. आज मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार व नेशनल हाईवे अथॉरिटी से जवाब मांगा है. हाईकोर्ट ने कहा, शपथ पत्र में बताएं कि राज्य सरकार सड़क हादसे रोकने क्या कर रही है. मामले में अब 26 जून को सुनवाई होगी.

दरअसल कबीरधाम जिले में तेंदूपत्ता तोड़कर लौटने के दौरान पिकअप पलटने से 19 लोगों की मौत हुई थी. इस पर हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है. जनहित याचिका के रूप में सुनवाई शुरू की गई. राज्य सरकार और नेशनल हाईवे अथॉरिटी से सड़क हादसे रोकने सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कितना अमल हुआ, इसकी रिपोर्ट मांगा गया है.

बता दें कि कबीरधाम जिले के बाहपानी गांव में सोमवार को दर्दनाक सड़क हादसे में 19 लोगों की मौत हुई थी. सभी मृतक सेमरहा गांव के थे. आज एक साथ 19 मजदूरों की अर्थी उठी. ग्रामीणों ने नम आखों से अंतिम विदाई दी. अंतिम संस्कार कार्यक्रम में डिप्टी सीएम एवं गृहमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हुए. इस दौरान आदिवासी समाज के संरक्षक ने सरकार से पीड़ित परिवार को सरकारी नौकरी और एक-एक करोड़ रुपए मुआवजा राशि देने की मांग की है. हालांकि घटना के बाद सरकार ने मृतकों के परिवार को 5 लाख और घायलों को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की है. साथ ही घायलों के बेहतर उपचार के निदेश दिए हैं.

मनरेगा में कम मजदूरी मिलने पर ग्रामीणों ने किया मनरेगा ऑफिस का घेराव

जमकर नारेबाजी कर सब इंजीनियर को हटाने की मांग की

गरियाबंद (दैनंदिनी। मनरेगा कार्य में कम मजदूरी मिलने पर ग्रामीण मजदूरों ने मनरेगा ऑफिस का घेराव कर जमकर नारेबाजी करते हुए सब इंजीनियर को हटाने की मांग किया। इस दौरान ग्रामीण मजदूर घंटों तक चिलचिलाती धूप में बैठकर प्रदर्शन करते रहे, जिसमें काफी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी।

मामला गरियाबंद के फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम बिरोड़ा का है, जहां मनरेगा के तहत तालाब निर्माण में ग्रामीण मजदूर कार्य कर रहे हैं। जिसमें कम मजदूरी मिलने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को बड़ी संख्या में फिंगेश्वर स्थित मनरेगा ऑफिस पहुंचकर जमकर नारेबाजी करते हुए घंटों तक प्रदर्शन किया। उन्होंने सब इंजीनियर पर मनमानी और बिना सत्यापन के कम मजदूरी देने का आरोप लगाया है। इस दौरान ग्रामीण मजदूरों ने सब इंजीनियर को हटाने की मांग भी किया। बताया कि जितना काम किए हैं, उतना दाम नहीं मिल रहा है, उन्हें एक सौ दो रुपए दिया गया है, इससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीणों की मांग पर मनरेगा की कार्यक्रम अधिकारी रीना धुर्वे ने कहा की स्थल निरीक्षण कर ग्रामीणों की समस्या दूर करने की बात कही है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतगणना की तैयारियों का लिया जायजा

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक दिए निर्देश

रायपुर (दैनंदिनी)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज सेजबहार स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में मतगणना केन्द्र का निरीक्षण किया। रायपुर लोकसभा निर्वाचन का 4 जून को मतगणना होनी है। उन्होंने मतगणना हेतु तैयार किए जा रहे मतगणना कक्षों का अवलोकन किया। श्रीमती कंगाले ने निर्बाध और सुव्यवस्थित मतगणना के लिए मतगणना स्थल पर विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह, एसएसपी श्री संतोष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप, अपर कलेक्टर श्री कीर्तिमान राठौर, श्री देवेन्द्र

पटेल, सुश्री निधी साहू तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने जिले में विधानसभावार मतगणना कक्षों, उम्मीदवारों एवं उनके गणना अभिकर्ताओं की बैठक व्यवस्था, प्रवेश पास, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से मॉनिटरिंग, मतगणना के दिन वीडियोग्राफी, सुरक्षा व्यवस्था, बैरीकेडिंग, डाक मतपत्रों तथा वीवीपैट पर्ची की गिनती की व्यवस्था उद्घोषणा स्थल का इत्यादि का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि मतगणना हॉल में मोबाइल फोन, आईपेड, लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, कैमरा एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित रहेगा। मीडिया प्रतिनिधि मीडिया सेंटर तक मोबाइल ले जा सकते हैं। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को छोटे-छोटे समूहों में मतगणना कार्य का अवलोकन कराने निर्देशित किया। श्रीमती कंगाले ने मतगणना स्थल और मतगणना कक्षों की ड्राइंग-डिजाइन का अवलोकन कर निर्वाचन अभिकर्ताओं की सुविधा के लिए इसे मतगणना स्थल में प्रदर्शित करने के निर्देश दिए जिससे अभिकर्ता अपने निर्धारित मतगणना कक्ष तक सुगमता से पहुंच सके। उन्होंने मतगणना स्थल में विधानसभावार मतगणना कक्ष तक पहुंचने के लिए बनाए गए मार्गों का भी अवलोकन किया।

श्रीमती कंगाले ने जिले में मतगणना स्थलों पर मतगणना के लिए टेबलों की व्यवस्था के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने वोटों की गिनती के लिए कंट्रोल यूनिट को स्ट्रांग-रूम से मतगणना कक्ष तक लाने और वापस ले जाने की व्यवस्था के बारे में भी जानकारी ली।

उन्होंने स्ट्रांग-रूम के बाहर मौजूद राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से चर्चा कर स्ट्रांग-रूम की सुरक्षा व मॉनिटरिंग व्यवस्था तथा मतगणना स्थल पर इंतजामों के संबंध में फीडबैक भी लिया।

समाचार संक्षेप

बाइक सवार आपस में टकराए : पति-पत्नी गंभीर

जांजगीर-चांपा-रायपुर। जिले के ग्राम पोड़ीदलहा मुख्य मार्ग में दो बाइक में आमने-सामने जोरदार भिड़त हुई है। हादसे में एक बाइक में सवार पति-पत्नी को गंभीर चोट आई हैं, वहीं दूसरा बाइक चालक मौके से फरार है। पुलिस फरार बाइक चलाक की तलाश कर रही है। घायलों को इलाज के लिए बिलासपुर सिम्स अस्पताल भेजा गया। घटना अकलतरा थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार घायल श्रवण राठौर (46) ने बताया की बिलासपुर जिले के सीपत के ग्राम कौडिया का रहने वाला है। वह अपनी पत्नी गंगा बाई के साथ शादी में शामिल होने के लिए खरसिया जा रहे थे। इसी बीच बाइक सवार पति-पत्नी पोड़ीदलहा मार्ग पर पहुंचे थे कि सामने से एक तेज रफ्तार दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी। श्रवण ने बताया कि दूसरी बाइक पर 2 लोग सवार थे। वहीं ठोकर मारने के बाद पति-पत्नी सड़क पर दूर जा गिरे। दूसरा बाइक चालक मौके से अपनी बाइक लेकर फरार हो गया, मगर उसके साथ बैठे बुजुर्ग को मौके पर ही छोड़ दिया था। पूछने पर बुजुर्ग ने बताया कि वह पामगढ़ के बोरसी गांव का रहने वाला है।

नाबालिग का अपहरण कर दैहिक शोषण

सूरजपुर-रायपुर। जिले में एक नाबालिग का अपहरण कर दैहिक शोषण करने का मामला सामने आया है. मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है. यह मामला रामानुजनगर थाना क्षेत्र का है. जानकारी के अनुसार, रामानुजनगर ब्लाक के पतरापाली निवासी ऋषि पटेल ने 17 वर्षीय नाबालिक को भगा कर उसके साथ जबरन दुष्कर्म कर रहा था. बेटी के लापता होने पर पीड़िता के परिजनों ने रामानुजनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई. जिस पर पुलिस ने अपहरण का मामला पंजीबद्ध किया और पतासाजी में जुट गई. इस दौरान पुलिस ने नाबालिग को आरोपी ऋषि पटेल के घर से बरामद किया और लड़की को सखी सेंटर भेज दिया. मामले में लड़की के बयान पर आरोपी के विरुद्ध धारा 376 और पॉस्को एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जेल भेज दिया गया है।

स्कूली विद्यार्थियों को कराया जा रहा संयंत्र एवं खदानों का शैक्षणिक भ्रमण

कोरबा । कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में जिले के हाईध्हायर सेकेण्डरी विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने एवं उन्हें आधुनिक तकनीकों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान करने हेतु विभिन्न पावर प्लांटों के संयंत्रों व कोल माइंस का शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में शासकीय हाईस्कूल रामपुर सहित अन्य 5 विद्यालयों के 10-10 विद्यार्थियों को एसईसीएल मानिकपुर खदान एवं मानिकपुर वर्कशॉप का भ्रमण कराया गया। इस दौरान सब-एरिया मैनेजर मानिकपुर श्री एच के प्रधान, माइन प्रबंधक श्री सी. के. सोनवानी, कार्मिक प्रबंधक श्री शक्ति कुमार, प्रबन्धक श्री राकेश मिश्रा एवं, सीनियर ओवेरमन श्री शैलेश महापात्र सहित अन्य उपस्थित थे।भ्रमण के दौरान श्री शक्ति कुमार एवं श्री शैलेश महापात्रा द्वारा विद्यार्थियों को मानिकपुर खदान का इतिहास, कोयले की उत्पत्ति, खदान से कोयला उत्खनन् और परिवहन के साथ ही आधुनिक तकनीकी मशीनों के संबंध में पूर्ण जानकारी दी गई। स्कूली छात्र-छात्राओं में शैक्षणिक भ्रमण के प्रति काफी उत्साह नजर आया। विद्यार्थियों ने खदान में कोल उत्खनन, परिवहन में प्रयुक्त होने वाले वृहद नए उपकरणों को नजदीक से अवलोकन करने का अवसर मिला जिससे उनके भीतर तकनीकी षिक्षा के प्रति रूचि बढ़ी है।

जिला कार्यालय में निःशुल्क स्वास्थ शिविर, कलेक्टर ने भी बीपी,शुगर की जांच कराई

महासमुंद। विश्व उच्चरक्तचाप दिवस पर 17 मई को कलेक्टर प्रभात मलिक के आदेशानुसार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पी कुदेशिया के निर्देशानुसार एनसीडी कार्यक्रम अंतर्गत 21 मई को कार्यालय कलेक्टर महासमुन्द में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी एवं जनसामान्य के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में कुल 125 लोगों का ब्लड प्रेशर एवं डायबिटीज जांच की गई। साथ ही आयुष्मान कार्ड भी लोगों का बनाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर प्रभात मलिक ने भी स्वयं अपना बीपी और शुगर टेस्ट कराया।

ईवीएम सीलिंग के लिम मतगणना पर्यवेक्षक एवं सहायक की लगाई गई ड्यूटी

महासमुंद। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 09 महासमुंद के मतगणना कार्य संपादन एवं मतगणना कार्य समाप्ति पश्चात ईवीएम मशीनों के सीलिंग कार्य किए जाने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर प्रभात मलिक द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी मतगणना पर्यवेक्षक एवं मतगणना सहायक के रूप में लगाई गई है। उक्त 67 मतगणना पर्यवेक्षक एवं 67 मतगणना सहायकों का प्रशिक्षण 24 मई 2024 को दो पालियों में प्रातः10 बजे से एवं दोपहर 2 बजे वन प्रशिक्षण शाला महासमुंद में आयोजित किया गया है। डाक मतपत्र के संबंध में प्रशिक्षण 25 को इसी प्रकार डाक मतपत्र के मतगणना कार्य संपादन एवं मतगणना कार्य समाप्ति पश्चात डाक मतपत्र को बंद लिफाफा कर सीलिंग कार्य किए जाने के लिए 15 मतगणना पर्यवेक्षक एवं 30 मतगणना सहायक की ड्यूटी लगाई गई है। इस संबंध में 25 मई 2024 को प्रातः 11 बजे से वन प्रशिक्षण शाला महासमुंद में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। उक्त प्रशिक्षण में सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने निर्देश दिए है।

समर कैम्प में खगोलीय घटनाओं से अवगत हो रहे बच्चे

धमतरी। कलेक्टर सुश्री नम्रता गाँधी की पहल पर स्कूली बच्चों में छिपी प्रतिभा और उनके हुनर में निखार लाने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समर कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इ इत्यादि जैसे विज्ञान और खगोलीय घटनाओं के विषयों से सम्बंधित वीडियो दिखाकर विस्तृत जानकारी दी जा रही है। इन सारे वीडियो को प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया जा सकता है।

केंद्र में भाजपा की सरकार बनाने में होगी कॉल सेंटर कर्मचारियों की भी अहम भूमिका:प्रदीप

महासमुंद। भाजपा संगठन द्वारा लोकसभा चुनाव के संचालन के लिए जिला भाजपा कार्यालय में स्थापित कॉल सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों का उनके योगदान के लिए सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कॉल सेंटर के कर्मचारियों को भाजपा जिला महामंत्री प्रदीप चंद्राकर, विधानसभा सहसंयोजक संदीप दीवान, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधा साहू, जिला कार्यालय प्रभारी नारेंद्र गिरी, नेता प्रतिपक्ष पार्षद मीना वर्मा, वरिष्ठ पार्षद महेंद्र जैन, दिनेश रूपरेला, महिला मोर्चा शहर अध्यक्ष शुभ्रा शर्मा, भाजपा नेता गोविंद ठाकुर आदि ने अयोध्या के भगवान श्रीराम मंदिर का प्रसाद भेंट करते हुए तिलक लगाकर सम्मान किया।भाजपा जिला महामंत्री प्रदीप चंद्राकर ने कॉल सेंटर के माध्यम से दिए गए उनके योगदान को सराहनीय बताते हुए कहा कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा लोकसभा चुनावों के सफल संचालन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 10 वर्षों के ऐतिहासिक कार्यकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने कॉल सेंटर का संचालन का शुभारंभ किया गया था। जिला महामंत्री प्रदीप ने कहा कि महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के कॉल सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों ने अपने दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करते हुए पार्टी के जनकल्याण के कार्यों को लोगों तक पहुंचाने में दूरभाष के माध्यम से अथक परिश्रम करते अपनी सहभागिता निभाया है। प्रदीप ने कहा कि भाजपा की जिलाध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी आज यहां उपस्थित नही हो पाई है, मगर उन्होंने संदेश देते हुए कहा है कि रामायण काल में लंका विजय के अभियान में जिस प्रकार प्रभु श्रीरामचंद्र जी के साथ असंख्य छोटे बड़े वानर सेना की शक्ति लगी हुई थी उसी प्रकार लोकसभा में सुशासन की स्थापना के इस धर्मयुद्ध में भाजपा के पदाधिकारियों के साथ नेताओं व कार्यकर्ताओं की पूरी फौज लगी रही। भाजपा नेता संदीप दीवान ने कहा कि लोकसभा का यह निर्णायक चुनाव था, जिसमें भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं के समकक्ष इन सेवाभावी सेवकों ने केंद्र में पुनः प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनाने में अपना तनमन समर्पित किया है।

कुर्की वारंट तामील कराकर संपत्ति कर 148000 की वसूली

भिलाई (दैनंदिनी)। नगर पालिका निगम भिलाई क्षेत्र में ऐसे संपत्ति करदाता जो मार्च अप्रैल में संपत्ति कर जमा नहीं किए थे उन्हें नगर निगम अधिनियम 1956 के धारा 174 के तहत नोटिस तामील कराई गई गई थी इसमें से कुछ व्यापारियों द्वारा संपत्ति कर की राशि जमा कर दी गई थी परंतु कुछ ऐसे व्यापारी भी है जो संपत्ति कर जमा नहीं कर रहे थे उन व्यापारियों के विरुद्ध आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव द्वारा धारा 175 के तहत वारंट शक्ति पत्र जारी किया गया इसके लिए सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू को कुर्की दल का अधिकारी नियुक्त किया गया था उनके द्वारा आज मदर टैरेसा नगर जोन क्रमांक 3 के राजस्व के आमला को लेकर के हैं पावर हाउस सर्कुलर मार्केट जाकर बकाया दारो से संपर्क किया गया नोटिस तामील की सूची दिखाई गई इसके बाद आज कुर्की दल द्वारा संपत्तिकर की वसूली की गई कुल चार व्यवसाईयों से संपत्ति कर की राशि 148000वसूली किया गया . यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी इसमें व्यापारी संघ भी सहयोग करने के लिए आश्वासन दिया है नगर निगम भिलाई सभी संपत्तिकर बकाया दारो से अपील करती है कि अपने दायित्वों का संपत्ति कर जमा कर देवे अन्यथा वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

मनी ट्रेल में 142 खातों को फ्रिज कर पुलिस ने 140 करोड़ के लेन देन की जांच शुरू की

कोरबा। गिरफ्तार सटोरियों से पैनल संचालन हेतु उपयोग किये जाने वाले कुल 142 बैंक खातों की जानकारी हुई है। जिसमें मनी ट्रेल का किया जा रहा विश्लेषण। बैंक खातों में जमा राशियों को होल्ड / फ्रीज कराने हेतु विधिवत् कार्यवाही किया गया है। पुलिस के द्वारा अलग-अलग बैंकों के 142 खातों को कराया गया फ्रिज जिसमे 40 लाख रूपये को होल्ड कराया गया। सटोरियों के विभिन्न बैंक खातों मे लगभग 140 करोड़ से अधिक का लेनदेन पाया गया। कोरबा पुलिस नागरिकों से यह अपील करती है कि अपना बैंक खाता एटीएम एवं पासबुक को किसी भरोसे एवं अनजान को किराए पर ना दे। विवरण- श्रीमान् पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री यू.बी.एस. चौहान द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रविंद्र कुमार मीना एवं कोरबा पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित प्रभारी सायबर सेल को आई.पी.एल. क्रिकेट मैच 2024 के सीजन में क्रिकेट मैच के दौरान सट्टा खेलने / खिलाने वालों एवं इस कारोबार में संलिप्त लोगों की पतासाजी कर आवश्यक कार्यवाही करने के साथ ही क्रिकेट सट्टा के कारोबार पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया था। जिस पर पुलिस के द्वारा सट्टा संचालन करने वाले एवं उसके साथियों को पकड़ा गया है। पकड़ने के पश्चात पुलिस एवं साइबर सेल के द्वारा सटोरियों के बैंक खातों का विश्लेषण किया गया। विश्लेषण में यह पाया गया की सटोरियों के विभिन्न बैंक खातों को लोगों के द्वारा किराए पर उपलब्ध कराया जाता था जिस पर सटोरियों के द्वारा उसे बैंक खातों का गलत तरीके से पैसे का लेनदेन किया जा रहा था। उन सब 142 विभिन्न बैंक खातों को साइबर सेल एवं पुलिस के द्वारा उन सभी बैंक खातों की जानकारी बैंकों से प्राप्त कर उसमें विश्लेषण किया गया उन सभी बैंक खातों में लगभग 140 करोड़ का ट्रांजैक्शन हुआ था एवं उन सभी बैंक खातों को फ्रिज कराया गया उन सभी बैंक खातों में लगभग 40 लाख रुपए को पुलिस के द्वारा होल्ड कराया गया। टीम के द्वारा खातों का बारीकी से विश्लेषण अभी और किया जा रहा है। कोरबा पुलिस आम नागरिकों से यह अपील करती है कि अपने किसी भरोसे के आदमी को अपने बैंक खातों तो इस्तेमाल करने के लिए एटीएम पासबुक, चेक को किसी को ना दे और ना ही किसी को किराए एवं किसी अनजान व्यक्ति को अपने बैंक खातों की जानकारी को ना दें अगर उन खातों का किसी अपराध में उपयोग होता है तो पुलिस के द्वारा उन खाताधारकों के ऊपर कठोर कार्यवाही किया जाएगा।

बाढ़ आपदा प्रबंधन और राहत व्यवस्था की तैयारी के लिए कलेक्टर ने दिए निर्देश

रायगढ़। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आगामी वर्षा ऋतु में जिले में संभावित बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने बाढ़ आपदा प्रबंधन और राहत व्यवस्था के संबंध में सभी आवश्यक संसाधनों की जानकारी लेते हुए तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जिले में संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के साथ ही अन्य स्थानों पर भी नाव, तैराक दल, आवश्यक दवाएं आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए जीवनरक्षक दवा और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को जल स्त्रोत उपचारित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव, एडीएम सुश्री संतन देवी जांगड़े, अपर कलेक्टर श्री राजीव कुमार पाण्डेय, आयुक्त नगर निगम श्री सुनील कुमार चंद्रवंशी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि पहुंच विहीन क्षेत्रों में जहां बाढ़ की स्थिति की संभावना रहती है वहां बाढ़ से प्रभावित लोगों के ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के ऐसे क्षेत्र जहां प्रतिवर्ष बाढ़ आती है। इन क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने की व्यवस्था की जाए एवं लोगों को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने व उनको ठहराने के लिए राहत कैम्प आदि की सम्पूर्ण योजना तैयार कर ली जाए। कलेक्टर श्री गोयल ने जिला एवं तहसील स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना करने के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था, नगर सेना द्वारा बाढ़ आपदा के बचाव सुरक्षा उपकरणों की तैयारी पर चर्चा किया गया। सभी तहसीलों से प्रतिदिन वर्षा रिपोर्ट की जानकारी 01 जून से नियमित रूप से देने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार खाद्य विभाग को इन क्षेत्रों में पर्याप्त राशन, केरोसीन एवं गैस के स्टॉक रखने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को जलजनित बीमारियों के रोकथाम हेतु दवाईयों के साथ सर्पदंश से बचाव हेतु इंटीवेनम की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग को फसल क्षति के आंकलन तत्काल तैयार करने एवं फसलों के बचाव हेतु बल्क मैसेज के माध्यम से संदेश, पशु विभाग को पशुओं के टीकाकरण, परिवहन विभाग को वाहनों की व्यवस्था, जल संसाधन विभाग को बांध के जल स्तर के नियमित मॉनिटरिंग एवं पानी छोड़ने से पूर्व सूचना, पीडब्ल्यूडी को केलो बांध में पानी छोड़ने की स्थिति में चक्रपथ डायवर्सन, वन विभाग को बांस बल्ली तथा आयुक्त नगर निगम को शहरी क्षेत्र में राहत केन्द्र स्थापित करने के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर से गोयल ने आगामी कृषि सीजन को देखते हुए केसीसी के प्रगति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कृषि विभाग से लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए लंबित केसीसी प्रकरणों को बैंक भेजने एवं एलबीओ को संबंधित प्रकरण का फॉलोअप लेने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने वेटनरी एवं उद्यानिकी विभाग के लंबित प्रकरणों की जानकारी भी ली बैठक में कलेक्टर श्री गोयल ने डीईओ से शिक्षा के अधिकार के तहत स्कूलों में प्रवेशित बच्चों की जानकारी लेते हुए स्कूल ड्रॉप आउट बच्चों के कारण सहित जानकारी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने पर्यटन विभाग से जिले में सैलानियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने वर्तमान में बच्चों के लिए आयोजित समर कैम्प की जानकारी ली। विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि स्कूली बच्चों को विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण एवं विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

इस दौरान उन्होंने जल प्रदाय योजना की विकासखण्डवार अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने आंशिक रूप से पूर्ण, पानी सप्लाई बंद एवं जल प्रदाय अप्रारंभ कार्यों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वृहद वृक्षारोपण की कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देशकलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने आगामी वर्षा ऋतु में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वृहद वृक्षारोपण की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने वन विभाग एवं सभी एसडीएम जगह चिन्हांकन के निर्देश दिए।

नालियों पर किए गए अवैध कब्जाधारियों पर कार्रवाई शुरू

भिलाई (दैनंदिनी)। नगर पाली निगम भिलाई क्षेत्र के निचली बस्तियों में बरसात के समय पानी ना भरे इस हेतु नगर निगम भिलाई आयुक्त देवेश ध्रुव द्वारा मीटिंग के दौरान सभी को निर्देश दिए थे बारिश के समय किसी भी तरह से कहीं पर भी निचली बस्तियों में जल जमाव न हो, मानसून की आने की संभावना समय पर होने के कारण युद्ध स्तर पर सफाई अभियान शुरू हो गया है इसी के तारतम में कमिश्नर ईशा लहरे अपने दल के साथ वार्ड क्रमांक 23 एवं 25 में हुए नाली के ऊपर अवैध निर्माण को तोड़ने के लिए पहुंच गई नालियों के ऊपर स्लैब बनाकर लोग पार्किंग का उपयोग कर रहे थे पहले भी इन्हें हटाने का निर्देश दिया गया था लेकिन लोग नहीं माने यह बात अच्छी रही की स्थानी निवासी भी नालियों पर हुए अवैध निर्माण को तुड़वाने में सहयोग करने लगे जिनके घरों में अवैध निर्माण किया गया था उनको समझाइए दे रहे थे जो नहीं हटाए उसको जेसीबी से तोड़ दिया गया ईशा लहरे ने बताया कि बरसात के समय बुद्ध विहार के पास लगभग 50 घरों में पानी भर जाता था अभी सूर्यकुंड के पास 10 लोग ऐसे मिले जो अपने सामने सरकारी पक्के नाली पर स्लैब बना लिए थे जिससे सफाई नहीं हो पा रही थी कचरा वहां जाम हो जा रहा था आज पक्का निर्माण को तोड़ा गया जिससे समुचित सफाई हो पाए बुध विहार एवं सूर्य कुंड का तालाब के आसपास रहने वाले लगभग 100 परिवार को आने वाली बारिश के दिनों में जल भराव से निजात मिल सके. निगम भिलाई के सभी जोन में नालियों पर हुए अवैध निर्माण को तोड़ने का काम चल रहा है आयुक्त देवेश ध्रुव ने लोगों से अपील की सब लोग सहयोग करें स्वयं हटा लेंगे तो ठीक है नहीं तो चालानी कार्रवाई होगी . निगम द्वारा हटाने पर जो खर्च आएगा अवैध कब्जा कब्जाधारी से लिया जाएगा . इस कार्रवाई दौरान स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा अपने दल के साथ उपस्थित थे।

कोरबा पुलिस के द्वारा मालवाहक गाड़ियों में सवारी बैठाने वालों के विरुद्ध चलाया गया चेकिंग अभियान

कोरबा। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर थानाध्चैकी के मुख्य मार्ग, चैक चैराहों पर पेट्रोलिंग किया गया। थाना, चैकी एवं यातायात पुलिस को ट्रैफिक्र नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री यूबीएस चैहान एवं नेहा वर्मा के पर्यवक्षण में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी थानाध्चैकी एवं यातायात के द्वारा मालवाहक गाड़ियों में व्यक्तियों को बैठाकर परिवहन करने वालों पर सख्त कार्यवाही किया गया है। कोरबा पुलिस के द्वारा कुल 12 मालवाहक गाड़ियों पर चलानी कार्यवाही की गई और कुल 30300 समन शुल्क जमा कराया गया।कोरबा पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा पेट्रोलिंग किया गया। पेट्रोलिंग के दौरान मुख्य चैक चैराहा एवं भीडभाड वाले इलाकों एवं बाजार में जाकर गलत तरीके से वाहन चलाने वाले एवं ओवर स्पीड वाहन चलने वाले पर पुलिस के द्वारा कार्यवाही किया गया। लगातार हो रहे एक्सीडेंट में कमी लाने के लिए यह विशेष अभियान को चलाया गया है। अभियान के तहत वाहनों को चेक किया गया और उन्हें समझाया गया कि ओवर स्पीड वाहन ना चलाएं, ना ही शराब पीकर वाहन चलाऐ और ना ही अपने करीबियों को नशे की हालत में वाहन चलाने दे। मालवाहक वाहन में माल के अलावा किसी अन्य चीज का परिवहन ना करें।

कलेक्टर ने स्वयंसेवकों को हर पंचायत में जन जागरूकता अभियान चलाने किया प्रोत्साहित

बीजापुर। जिला प्रशासन, यूनिसेफ और एग्रिकॉन्स फाउंडेशन के सहयोग से स्वयंसेवा से स्वयंसिद्ध कार्यशाला का आयोजन बुधवार को जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य स्वयंसेवकों को सशक्त करते हुए उन्हें समाजोन्मुख दृष्टिकोण प्रदान करना था। इस एक दिवसीय कार्यशाला में स्वयंसेवा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वयंसेवा के पीछे छिपे अर्थ और महत्व को बढ़ावा दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री अनुराग पांडेय ने स्वयंसेवकों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की सराहना करते हुए शुभकामनाएं देकर आगे भी इसी प्रकार समाज के हित में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। तथा हर ग्राम पंचायत में जन जागरूकता अभियान चलाते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, किशोरी सशक्तिकरण, बाल सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, सुपोषण एवं विभागीय योजनाओं को जिले के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने में बीजादूतीर साथियों को सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही शाला त्यागी बच्चों को पुनः शिक्षा से जोड़ने तथा बाल सुरक्षा की महत्व समझाने, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन एवं कुपोषण दूर करने हेतु गांव गांव में मिशन मोड में कार्य करने तथा मानसिक स्वास्थ्य के कारण परेशानियों से जुझ रहे परिवारों की सहायता करने को कहा। इसके अतिरिक्त उन्होंने पंचायतों को टीबी, एनीमिया, कुपोषण एवं मलेरिया से मुक्त बनाने हेतु अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने के साथ इनके उन्मूलन हेतु कार्य करने को कहा। साथ ही बीजादूतीर स्वयंसेवकों की नियमित बैठक सत्र आयोजित करने तथा कॉफी विद कलेक्टर÷ जैसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया । कार्यक्रम में प्रोफेसर दीपक तैरैया ने बीजादूतीर स्वयंसेवकों को सीखें जीये और नेतृत्व करें, सिद्धांतों के माध्यम से एक उत्साही और प्रेरित स्वयंसेवक बनने की राह दिखाई। कार्यशाला ने उन्हें उनके समुदायों में विभिन्न सामाजिक मुद्दों को उठाने और सुलझाने के लिए सिखने का अवसर प्रदान किया। इस कार्यक्रम में जिले के बीजादूतीर के 110 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जागृति गर्ग राज्य सलाहकार, अनन्या झा एग्रीकॉन फाउंडेशन, राहुल कौशिक जिला बाल संरक्षण अधिकारी, साथ ही जिला समन्वयक यूनिसेफ लेखिका साहू और बीजादूतीर जिला समन्वयक अशोक पांडे के साथ ब्लॉक समन्वयक हर्षिता पंडा, भारत कारम एवं लाटकर योहान उपस्थित थे ।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-07 ◆अंक- 230 ◆ बिलासपुर, शनिवार 25 मई 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2017/75085 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

टेका के सांई पीकरी धाम को धार्मिक पर्यटन स्थल का दर्जा देने की मांग

सांई पीकरी धाम टेका के सांई भक्तों ने गरियाबंद सांई मंदिर में बांटें पांपप्लेट

गरियाबंद (दैनंदिनी)। सांई पीकरी धाम टेका के सांई भक्तों द्वारा गुरुवार को गरियाबंद पहुंच कर गरियाबंद सांई सेवा समिति के माध्यम से टेका सांई पीकरी धाम को धार्मिक पर्यटन स्थल का दर्जा देने वाली मांग पांपप्लेट सांई भक्तों और नगर वासियों को वितरण कर टेका सांई पीकरी धाम को छत्तीसगढ़ राज्य का पर्यटन स्थल घोषित करने की मांग सांई भक्तों द्वारा किया गया ।

सांई पीकरी धाम टेका के सांई भक्तों ने बताया गरियाबंद जिले में स्थित छोटा-सा गांव टेका जहां सदियों पहले श्री शिरडी सांई बाबा का आगमन हुआ था उनके चले जाने के बाद उस स्थान को गांव के मालगुजार ठाकुर हरदेव सिंह द्वारा सांई बाबा की प्रेरणा में पत्थर नुमा चबुतरा बना कर ग्राम देवता के रूप में पुजा करने लगे तब से लेकर आज तक यहां सांई बाबा की ग्राम देवता के रूप में पुजा होती है। भक्तों ने बताया टेका में सांई बाबा के द्वारा लगाए गए पीपल का वृक्ष के कारण इस स्थान को सांई पीकरी कहा जाने लगा बाद में 25 मई 2006 को मालगुजार के वंशज मोहन ठाकुर द्वारा इस स्थान में सांई बाबा की प्रेरणा से छोटा सा

मंदिर बना कर सांई बाबा की मूर्ति की स्थापना की गई तब से यह स्थान सांई मंदिर कहलाने लगा । सांई भक्तों के माध्यम से और शिरडी सांई ग्लोबल फाउंडेशन के माध्यम से यहां की चर्चा पूरी दुनिया में होने लगी तब श्री चन्द्रभानू सतपथी भारतीय धर्म गुरु द्वारा यहां के लिए सांई बाबा की बड़ी सी प्रतिमा भिजवाती गई तब से यह स्थान सांई पीकरी धाम बन गया। उसके बाद से यहां पूज्य गुरुदेव और सांई बाबा के बताए मार्ग के अनुसार समय समय पर दीन दुखी गरीब अनाथ की सेवा निशुल्क दवाई वितरण वस्त्र दान बुजुर्ग जनों का सम्मान व जरुरत मंदो को कम्बल शाल वितरण स्कूली बच्चों को पेश कापी किताब आदि वितरण कर श्री सांई बाबा की सेवा होने लगी । सांई भक्तों ने कहा सांई बाबा से जुड़ी यादों और सांई भक्तों की सेवा भक्ति वह भोले भाले गांव वालों की भावनाओं का आदर करते हुए उक्त स्थान को छत्तीसगढ़ राज्य का पर्यटन स्थल घोषित किया जाए। इस अवसर पर सांई सेवा समिति गरियाबंद के नंदकुमार वर्मा , राधेश्याम सोनवानी , महेंद्र राजपूत , रोशन पटेल , पार्षद श्रीमती प्रतिभा पटेल , बंटी सिन्हा , महेश्वर प्रसाद दुबे , विजय साहू , मुकेश साहू सहित सांई भक्त उपस्थित थे।

दानवीर दाऊलाल वर्मा की पुण्यतिथि पर कुर्मी समाज ने दी श्रद्धांजलि

राजिम। राजिम निवासी स्वर्गीय दाऊलाल वर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर स्वर्णतीर्थ घाट स्थित उनके समाधि स्थल पर कूर्मि समाज के पदाधिकारियों और सामाजिक जनों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर समाज में उनके योगदान का पुण्य स्मरण किया। विदित हो कि राजिम निवासी स्व. दाऊलाल वर्मा रेलवे विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी थे जो नि:संतान थे और उन्होंने अपनी सारी संपत्ति कूर्मि समाज को दान कर दी थी जिसमें राजिम के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप अपने घर एवं जमीन, स्कूल निर्माण, मंदिर निर्माण

एवं महापुरुषों के प्रतिमा स्थापना आदि में सहयोग किया था। इसके साथ ही वे धर्मशाला निर्माण व अन्य परोपकारी कार्य समाज के लिए किए थे। उनका निधन एक वर्ष पूर्व हुआ था जिनकी प्रथम पुण्यतिथि पर समाज के लोगों ने एकत्र होकर उनके समाधि स्थल पर पूजा अर्चना कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान प्रमुख रूप से दिल्लीवार कूर्मि समाज राजिम सर्किल के अध्यक्ष जवाहर वर्मा,उपाध्यक्ष ओमकुमार वर्मा, भवन निर्माण समिति के सचिव गोपाल राम वर्मा, केंद्रीय कार्यकारिणी के सदस्य माखन देशमुख, छग प्रदेश कूर्मि क्षत्रिय समाज गरियाबंद के जिलाध्यक्ष पुरंदर वर्मा, मीडिया प्रभारी प्रकाश वर्मा डोमार वर्मा, मन्नू वर्मा,नंदकुमार वर्मा सहित समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ओडिशा राज्य की टीम ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका गतिविधि का किया अवलोकन

दुर्ग (दैनंदिनी)। ओडिशा रूरल डेव्हलमेट एण्ड मार्केटिंग सोसायटी के जितेन्द्र कुमार बिसवाल (डाय.सी.ई.ओं), संजीव कुमार मोहन्ती (डाय.सी.ई.ओ.) द्वारा जिला दुर्ग के ग्राम पचायत सांकरा, फुंडा एवं चंदखुरी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संबंधित आजीविका गतिविधियों का निरीक्षण किया गया एवं संचालित कार्यों की सराहना की गई। उक्त कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ एसआरएलएम से सत्यप्रकाश तिवारी एवं राजन सोनी उपस्थित थे। संचालित गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण जिला पंचायत दुर्ग एसआरएलएम के सहायक परियोजना अधिकारी स्वप्निल ध्रुव द्वारा किया गया। निरीक्षण दल द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित कार्यक्रम ब्लाक पाटन के ग्राम पंचायत सांकरा में

रंगोली, गुलाल एवं पूजन सामग्री निर्माण का अवलोकन कर प्रशंसा किया गया। वही ग्राम पंचायत फुण्डा के तेल युनिट, ग्राम पंचायत गाड़ाडीह में हेचरी युनिट का निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्व-सहायता समूह से चर्चा कर आजीविका मिशन कार्यो का सराहना भी किया। ग्राम पंचायतों में आजाविका मिशन के तहत मिल्क प्रोडनशन नमकीन मिठाई, पनीर निर्माण, घी, लस्सी गोवा, मावा, रबड़ी दूध का पैकेजिंग उत्पादन हो रहा है।

बच्चों में संस्कार का बीजारोपण करना समर क्लास का उद्देश्य : राकेश पांडेय

कोमा माध्यमिक शाला में समर कैंप का निरीक्षण करने पहुंचे संयुक्त संचालक राकेश पांडेय

राजिम (दैनंदिनी)। शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार एवं कलेक्टर दीपक अग्रवाल और जिला शिक्षा अधिकारी ए के सारस्वत के सफल मार्गदर्शन में विकासखंड फिंगेश्वर के कोमा पूर्व माध्यमिक शाला में समर कैंप संचालित किया जा रहा है। जिसमें शहरों में करवाए जा रहे स्किल और एक्टिविटी भी बच्चों से करवाया जा रहा है जैसे स्केटिंग, जुंबा क्लास, सिलाई, कढ़ाई आदि । इसके अतिरिक्त भजन गायन, मेहंदी, कंप्यूटर शिक्षा, म्यूजिक, मन से कहानी निर्माण आदि गतिविधियां भी शामिल है । उक्त कैंप के सातवें दिन ज्वाइंट डायरेक्टर राकेश पांडेय ने कैंप का निरीक्षण किया । स्वयं बच्चों के साथ बैठकर कैरम खेले और बच्चो को प्रोत्साहित भी किए साथ ही वहा क्लास आठवीं की दो बेटियो से भी उनके सिलाई कार्य पर प्रसन्नता जाहिर की जिससे बच्चे खुशी से अभिभूत हो गए । शिक्षिका दिप्ती मिश्रा गंडेचा ने डायरेक्टर सर को प्रथम दिवस से लेकर अब तक की सभी गतिविधियों की जानकारी दी । पांडेय ने

शासन द्वारा समर कक्षाओं के संचालन को लेकर बालकों एवं शिक्षकों के उत्साह एवं प्रयास की प्रसंशा किया एवं समर क्लास में विभिन्न नैतिक शिक्षा, बाल कहानियों के माध्यम से बच्चों में संस्कार का बीजारोपण कर उसके पोषण का उत्तम विकल्प बताया । जिला शिक्षा अधिकारी सारस्वत ने संयुक्त संचालक को अवगत कराया कि शिक्षिका दीप्ति मिश्रा गण्डेचा को पूर्व में मुख्यमंत्री शिक्षक अलंकरण से प्राप्त राशि से बच्चो के प्रशिक्षण हेतु कंप्यूटर गिफ्ट किया है जिसका प्रयोग समर कैंप में बहुत अच्छे से हो रहा है । ज्वाइंट डायरेक्टर पांडेय सर के साथ जिला शिक्षा अधिकारी सारस्वत सर, जिला समन्वयक नायक सर, विकास खंड शिक्षा अधिकारी रामेंद्र जोशी, बीआर सीसी सुभाष शर्मा, बेलटुकरी समन्वयक अनिल मेघवानी, शिक्षिका मधुबाला वर्मा और दिप्ती मिश्रा गंडेचा शामिल थे।

दैनिक दैनन्दिनी. DNX

Rate Card

SIZE - 20x11 sqft
Digital Outdoor Advertisement
Led sales & Services
Call- 9630054047, 7000646420, 8435751548

Timing: 10am to 10pm.
Screen Size: 6 x 7.6 ft.

Ad Duration & Daily Impressions	1 Month	3 Months	6 Months 20% off	1 Year 35% Off
20 second / 100 Daily	₹ 20,000/-	₹ 50,000/-	₹ 80,000/-	₹ 130,000/-
30 second / 100 Daily	₹25,000/-	₹ 60,000/-	₹ 98,000/-	₹ 156,000/-
45 second / 100 Daily	₹ 36,000/-	₹ 90,000/-	₹ 144,000/-	₹ 234,000/-
60 second / 100 Daily	₹45000/-	₹ 120,000/-	₹ 192,000/-	₹ 312,000/-

Poster Ad.

Ad Duration & Daily Impressions	1 Day	3 Day	1 Week	15 Days
20 second / 150 Daily	₹ 10,000/-	₹ 20,000/-	₹ 35 000/-	60,000/-
30 second / 150 Daily	₹12500/-	₹ 25 000/-	₹ 45 000/-	75,000/-
45 second / 150 Daily	₹ 17500/-	₹ 35 000/-	₹ 60000/-	90,000/-

Location:
R.S. TOWER
LAVKUSH FURNITURE
Near by:- OVERBRIGE,
RAIPURA CHOWK, RAIPUR (C.G.)

Contact-
9630054047
7000646420
8435751548

Location (2):
SHAHEED BHAGAT SINGH CHOWK
G.E.ROAD RAIPUR (C.G.)

State office:
Aashirvad
C-255, Rohinipuram
RAIPUR (C.G.)

अमृत वचन

संपादकीय

साख पर सवाल

निश्चित रूप से भारतीय चुनाव आयोग ने पहले चुनाव से लेकर 18वीं लोकसभा के चुनाव संपन्न कराने में एक लंबा सफर तय किया है। लेकिन स्थितियां बहुत तेजी से बदली हैं। पहले चुनाव में महज 17 करोड़ मतदाता थे। अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मौजूदा आम चुनाव में 97 करोड़ मतदाता हैं। इस दौरान पार्टियों की संख्या बढ़ी है, वोटर बढ़े हैं, पोलिंग बूथ बढ़े हैं, पार्टियों के बीच लड़ाइयां तल्ख हुई हैं और चुनाव आयोग के खिलाफ शिकायतें भी तेज हुई हैं। पहले चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन से लेकर टीएन शेषन जैसे सख्त चुनाव आयुक्तों तक ने आयोग को नई प्रतिष्ठा दी है। लेकिन इस बार 543 संसदीय सीटों के लिये सात चरणों में हो रहे मतदान में कई प्रसंग ऐसे घटे कि लोगों ने चुनाव आयोग की साख पर उंगली उठाई। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। जिसमें चुनाव आयोग पर मतदान संबंधी अंतिम आंकड़े देर से जारी करने तथा प्रतिशत वृद्धि का मामला उठाया गया। एडीआर व कॉमन कॉज की ओर से दायर याचिका में बूथों पर मतों की संख्या संबंधी फॉर्म 17-सी की स्कैन कापी आयोग की वेबसाइट पर डालने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में आयोग ने इस मांग को अव्यावहारिक बताया है। साथ ही कहा कि चुनाव की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया के बाद पूरी होती है, ऐसा करने से व्यवधान उत्पन्न होगा। इससे पहले विपक्ष सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप भी लगाता रहा है। जबकि आयोग की दलील रही है कि इन्फोर्समेंट एजेंसी उसके अधीन नहीं होती। विपक्ष आयोग को तटस्थ भाव से कार्रवाई करने को कहता रहा है। विपक्ष ने प्रधानमंत्री द्वारा बांसवाड़ा में दिए गए भाषण में इस्तेमाल जुमलों को संप्रदाय विशेष के विरुद्ध टिप्पणी बताया और आयोग से शिकायत की। आरोप है कि आयोग ने सत्तारूढ़ दल के खिलाफ उदार रवैया दिखाया। प्रधानमंत्री को नोटिस दिए जाने के बजाय भाजपा अध्यक्ष को नोटिस जारी किया। ऐसे ही संविधान पर दिए गए राहुल गांधी के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष को नसीहत दी गई।

दरअसल, विपक्ष मांग करता रहा है कि मतदान के बाद वोटों का प्रतिशत जारी करने के बजाय डाले गए वोटों की संख्या जारी की जानी चाहिए। दरअसल, विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि आयोग सत्तारूढ़ दल के प्रति उदार रवैया अपनाता रहा है। जिसके चलते विपक्ष ने आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का प्रयास किया। उनका कहना है कि चुनाव आयोग को निष्पक्ष अंपायर की भूमिका में नजर आना चाहिए। विपक्ष बांसवाड़ा रैली में प्रधानमंत्री के भाषण पर सख्त कार्रवाई की मांग करता रहा है। इसी तरह आरक्षण, संपत्ति जब्त करने आदि कई विवादित बयान सामने आए। तल्ख टिप्पणियां कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर भी की गई थी। विपक्ष कहता है कि इन टिप्पणियों पर आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि, कई पूर्व चुनाव आयुक्त मानते हैं कि यह पहला मौका नहीं जब विपक्ष आयोग पर सवाल उठा रहा है। जैसे-जैसे राजनीतिक दलों में तल्खी बढ़ती है, बीच में आयोग को शामिल कर लिया जाता है। वहीं कुछ गैर सरकारी संगठनों ने मुहिम चलायी कि 'चुनाव आयुक्त दृढ़ता दिखाएं या इस्तीफा दें।' उनका मानना रहा है कि आचार संहिता के उल्लंघन के दौरान आयोग सक्रिय नहीं हुआ। कुछ पूर्व चुनाव आयुक्त कहते हैं कि मतदान के बाद दूर-दराज के इलाके से मतदान के अंतिम आंकड़े आने में वक्त लगता है। इसलिए अंतिम आंकड़े अगले दिन जारी किये जाते हैं। वहीं चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष के एक सवाल के जवाब में कहा कि इस बाबत समस्त सूचना वोटर टर्नआउट ऐप पर मौजूद है। आयोग का तर्क है कि वोटर टर्न आउट हर केंद्र पर वैधानिक फॉर्म 17-सी पर पीठासीन अधिकारी तैयार करते हैं व उम्मीदवार के मतदान एजेंट उस पर हस्ताक्षर करते हैं। बहरहाल, इसके बावजूद चुनाव आयोग को ध्यान देना चाहिए कि क्यों सार्वजनिक विमर्श में उसकी छवि को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। आयोग को इसका समाधान भी निकालना चाहिए। वहीं विशेषज्ञ मांग कर रहे हैं कि आयोग को अधिकार मिलना चाहिए कि वह आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले उम्मीदवार को दंडित कर सके।

सेहत

गर्मियों में नाश्ते में शामिल करें ये चीजें

शरीर में पानी की कमी से इलेक्ट्रोलाइट की कमी हो सकती है जिस वजह से लोग डिहाइड्रेशन, बुखार, उल्टी, दस्त और जैसी समस्याओं से परेशान होते हैं। ऐसे में इस मौसम में आपकी बॉडी में पाने की कमी न हो इसलिए सुबह के ब्रेकफास्ट में इन चीज़ों को शामिल करें। सुबह इनके सेवन से आपकी शरीर पूरे दिन हाइडट्रेड रहती है।

खीरा शरीर को तुरंत हाइड्रेट करता है और शरीर की गर्मी को कम करता है। इसे सलाद के रूप में या अपनी पसंदीदा डिटॉक्स ड्रिंक बनाकर पियें।

खीरा की तरह ककड़ी भी पानी से भरपूर फ़ूड है। इन दोनों में लगभग 95त्न पानी पाया जाता है। इनमें फाइबर, विटामिन और मिनिरल्स अच्छी खासी मात्रा में पाए जाते हैं। इनके सेवन से आपकी बॉडी हाइडट्रेटेड होती है और आपकी पाचन प्रक्रिया भी सही होती है.

हरी पत्तेदार सब्जियां पोषक तत्वों, फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होती हैं। इनका सेवन गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक पहुँचाती हैं। पालक,राजगिरा और गोभी उमस भरी गर्मी को ताज़गी देने वाली बनाती है। सुबह नाश्ते के समय आप इन्हें स्मूदी, सलाद या फिर चीला के तौर पर खा सकते हैं।

लस्सी और छाछ्र लस्सी और छाछ दोनों में ही विटामिन सी से भरपूर हैं जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत बनने के लावा आपकी बॉडी में पानी की कमी नहीं होने देती। लस्सी और छाछ आपके पेट के स्वास्थ के लिए भी बेहद लाभकारी है और पाचन को बेहतर बनाता है।

नारियल पानी में पानी के साथ इलेक्ट्रोलाइट भी काफी मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में इस मौसम में इसका सेवन आपकी सेहत के लिए सोने पर सुहागा वाला काम करता है। नारियल पानी पीने से सिर्फ बॉडी हाइडट्रेटेड ही नहीं होती ही बल्कि और भी कई फायदे मिलते हैं।

पूरब और पश्चिम में बदलता शक्ति संतुलन

- टीएन नाइनन

पश्चिमी जगत और बाकी की दुनिया के बीच बढ़ते जा रहे मुकाबले में, अब यह स्पष्ट है कि भले पश्चिम के हाथ में अभी भी अधिक ताकत हो किंतु वह कमजोर पड़ता जा रहा है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, अमेरिका की नौसेना का रुख अब 'दबदबे' वाली भूमिका से बदलकर 'प्रतिरोधक' में तब्दील हो गया है। आर्थिक परिधि में भी, अमेरिका का रवैया आक्रामकता से (तकनीक पर प्रतिबंध, व्यापार पर रोक और आर्थिक नाकाबंदी) से बदलकर रक्षात्मक (अमेरिकी बाजार में आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त कर लगाना) हो गया है। और यूक्रेन को मिला पश्चिमी समर्थन रूस को नहीं रोक पाया। माओ ने शायद समय से पहले ही घोषणा कर दी थी = 'एक दिन पूरब की हवा पश्चिमी वायुमंडल पर छा जाएगी।' और अब यह होना शुरू हो गया है।

सालों तक, पश्चिमी विश्लेषकों और पत्रकारों ने चीन और रूस को पढ़ने में चूक की है। रूस को तो वे आर्थिक रूप से बहुत कमजोर मानते रहे और व्लादिमीर पुतिन को राजनीतिक रूप से चुनौती देने लायक समझते रहे। दशकों पहले चीन के भरभराकर ढहने की भविष्यवाणी भी की गई थी और हाल में उसे समस्याओं से घिरा बताते रहे। फिर भी रूस ने पश्चिमी प्रतिबंधों का अप्रत्याशित रूप से डटकर सामना किया, यूक्रेन में उसका हाथ ऊपर है और पुतिन ने एक बार फिर चुनाव में कार्यकाल अर्जित किया। इसी दौरान, तुलनात्मक आय स्तर वाली अर्थव्यवस्थाओं में चीन सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी बना रहा।

अमेरिका द्वारा चीन से आयातित कुछ वस्तुओं पर लगाए करों में तीखी वृद्धि पूर्ण-स्तरीय व्यापार युद्ध को चालू करने का बायस नहीं बन पाई क्योंकि इसके निशाने पर वह वस्तुएं हैं जिनकी बिक्री चीन अमेरिका में ज्यादा नहीं करता। इसलिए यह प्रतीकात्मक कदम मुख्यत: राष्ट्रपति बाइडेन के घरेलू राजनीतिक हितों को साधने की गरज है। भले ही चीन निशाने पर ली गई इन वस्तुओं में बहुतों का बड़ा उत्पादक है लेकिन वह अपने माल के लिए अन्य मंडियां तलाश लेगा। बल्कि यह अमेरिकी आयातक हैं जिनके पास कुछ वस्तुओं को मंगवाने के वैकल्पिक स्रोत नहीं हैं, फिर चीन तीसरे देश में लगाए अपने कारखानों की मार्फत इन वस्तुओं को अमेरिका पहुंचा सकता है। इसी बीच, अमेरिकी उपभोक्ता महंगा माल खरीदने के लिए विवश रहेंगे।

इस प्रकार के रक्षात्मक खेल (जो कि भारी सब्सिडी देकर अमेरिकी उत्पादकता को फिर से जिंदा करने का दूसरा पहलू है) पहले अपनाए गए आक्रामक रुख के विपरीत है। उम्मीद यह थी कि उक्त आक्रामक कदम अमेरिका के दुश्मनों की घेराबंदी करेंगे। कोई शक नहीं कि प्रतिबंधों से चुभन होती है (जैसा कि हमेशा प्रतिबंधों के मामले में होता है) लेकिन इसका असर आंशिक रहा। रूस ने अपने तेल एवं गैस के लिए नए ग्राहक ढूंढ़ लिए जबकि पूरबी यूरोप को अपनी ऊर्जा जरूरतों के अहम स्रोतों के तौर पर सस्ती रूसी गैस से हाथ धोना पड़ा, जिससे जर्मनी जैसे मुल्क की भी आर्थिकी हिल गई। इसी बीच, रूसी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी होती गई।

रूस और चीन, दोनों ने भुगतान का नया तरीका विकसित कर लिया और इससे डॉलर पर निर्भरता न रही (अब इनका 95 फीसदी व्यापार स्थानीय मुद्रा में हो रहा है), यहां तक कि एक अलग 'स्विफ्ट' नामक बैंकिंग संचार प्रणाली भी विकसित कर ली है। रूस के रिजर्व खजाने में आज डॉलर के मुकाबले चीनी मुद्रा रेनमीबिस का भंडार अधिक है। उधर चीन अपना धन सोने में बदल रहा है, जिसके लिए पिछले 18 महीनों में भारी स्वर्ण खरीदारी की है। भले ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाईना का वर्तमान 2,250 टन सोना कुल रिजर्व भंडार का 5 प्रतिशत से भी कम है, लेकिन आज तक की तारीख तक यह मात्रा सबसे अधिक है।

जहां तक तकनीक का मामला है, किसी अन्य देश के मुकाबले चीन इस क्षेत्र में अधिक तेजी से तरक्की कर रहा है। स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और लिथियम बैटरी से चालित वाहन या अन्य उपकरणों में प्रयुक्त इस विशेष जरूरत की आपूर्ति के मामले में चीन बाकी देशों से कहीं आगे है और कुछ मंडियों में अपनी धाक बना चुका है। अब वह इलेक्ट्रॉनिक्स, लाइफ साइंस और रक्षा उत्पादन क्षेत्र में नई खोज के बूते लंबी छलांग लगाने में सक्षम है।

उदाहरणार्थ, हुआवे ने हाल ही में 7 नैनोमीटर वाली चिप से युक्त अपने नए स्मार्ट फोन से पश्चिमी जगत को चौंका डाला और अब 5 नैनोमीटर वाली चिप तैयार करने पर काम चल रहा है। उसने अगले साल तक चिप निर्माण में 75 फीसदी आत्मनिर्भरता पाने का लक्ष्य रखा है। इसी बीच, पश्चिमी देशों की दवा उत्पादक कंपनियों ने भी शंघाई के निकट सुज़्होऊ में बायो-बे जैसे विशालकाय नवोन्मेषण केंद्र में बायोफार्मा और लाइफ साइंस में हो रही तरक्की के बूते चीन की उभरती सरदारी को मान्यता दी है। रक्षा क्षेत्र में, चीन अपना चौथा विमानवाहक पोत बना रहा है जो शायद परमाणु ऊर्जा चालित होगा, यह एक अन्य तकनीक बाधा लांघने का प्रतीक है। सच्चाई यह है कि चीन के तकनीक विकास रथ को रोकने में बहुत देर हो चुकी है।

रक्षा मोर्चे पर, पश्चिमी टिप्पणीकारों को इस संभावित उलटफेर की चिंता सता रही है कि कहीं रूस यूक्रेन में अपने मंसूबों में सफल हो गया तो आगे बाकी अर्ध-बर्बाद देश को न कब्जा ले। यदि डोनाल्ड ट्रंप की वापसी बतौर राष्ट्रपति हो गई और उन्होंने नाटो संगठन से किनारा करने की अपनी पूर्व धमकी पर अमल कर डाला, तो हालात और बदतर हो सकते हैं। मानव संसाधन, उपकरण, युद्धक सक्षमता और उत्पादक क्षमता में अत्यधिक तंगदस्ती के चलते समूचा यूरोप शीतयुद्ध काल के बाद से लेकर आज के वक्त तक, एकाएक खुद को अधिक जोखिम में महसूस करने लगा है। यूरोपियन देशों का रक्षा बजट पिछले कुछ सालों से सकल घरेलू उत्पाद के तयशुदा ऊपरी अधिकतम स्तर यानी 2 फीसदी को छू गया है। लेकिन अमेरिकी मदद के आश्वासन के बिना यूरोप को व्यवहार्य रक्षा निर्भरता बनाने में कम से कम एक दशक का वक्त लगेगाङ्क इसमें अमेरिका प्रदत्त परमाणु सुरक्षा चक्र का जिक्र नहीं है।

वहीं इसके मुकाबले, रूस और चीन परस्पर सहयोग बनाने में अग्रसर हुए हैं और विश्व में अन्य जगहों पर राजनयिक रूप से नंबर बनाने में सफल हुए हैं। सीरिया में रूस ने सफलतापूर्वक अपना पत्ता चला है और अब वह ईरान से ड्रोन प्राप्त कर रहा है। पिछले साल चीन ने मध्यस्थता करके ईरान और सऊदी अरब के बीच रिश्तों को सामान्य बनवाया। जहां अफ्रीका में चीन इस महाद्वीप के मुल्कों की धन संबंधी जरूरत पूरा करने में अमेरिका से ज्यादा पैसा दे रहा है वहीं एक के बाद एक देश फ्रांसिसी और अमेरिकी सैनिकों को बाहर का रास्ता दिखा रहे हैं और उनकी जगह रक्षा के लिए रूसी सैनिकों को आमंत्रित कर रहे हैं। यहां तक कि दक्षिण-पूर्वी एशिया में भी, वे मुल्क जिनकी अर्थव्यवस्था चीन से जुड़ी हुई है और इस रिश्ते में इजाफा हो रहा है, वे अमेरिका और चीन के बीच चुनाव करने में भेद नहीं करना चाहते। जैसा कि यूक्रेन को दिए जाने हथियारों के मामले में देखने को मिला, अमेरिका ने अपने रवैये से बार-बार दिखा दिया है कि वह एक गैर-भरोसे योग्य मददगार है।

पश्चिमी टिप्पणीकार इस तर्क से दलील देते हैं कि चूंकि लंबे अर्से से चीन का एकमेव ध्येय अपने व्यापारिक उद्देश्यों की पूर्ति करना है और इसके लिए तगड़ी सरकारी सहायता देकर उद्योगों को बढ़ावा दे रहा है और अपनी मुद्रा की कीमत में इजाफा किए बगैर अन्य देशों के साथ बहुत बड़ा व्यापारिक आयात-निर्यात असंतुलन पैदा कर रहा है इसलिए देर से सही उसने पश्चिमी जगत को प्रतिरोधक उपाय करने को जगाया है। यह सही भी है। किंतु जो बात वे साथ नहीं जोड़ते वह यह कि चीन के पास अपनी अति प्रतिस्पर्धात्मक घरेलू मंडी है। उदाहरणार्थ, चीन के भीतर, इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली और कुछ नहीं तो 135 कंपनियां हैं। जाहिर है जो सबसे योग्य होगा वह बचेगा, इसलिए दुनियाभर में बीवाईडी अग्रणी इलेक्ट्रिक कार कंपनी बनने को अग्रसर है।

तथापि यदि माल खपाने के लिए बड़ी मंडियों से महरूम कर दिया जाए तो चीनी उत्पादक कंपनियों की क्षमता के लिए यह बाधा एक बड़ी चुनौती हो जाएगी। किंतु भारत का अनुभव बताता है, उच्च आयात कर की दीवार खड़ी करके भी चीनी माल को आने से नहीं रोका जा सकता। आज की दुनिया में, चाहे विषय रक्षा का हो या तकनीक की तरक्की का या फिर उत्पादकता एवं व्यापार की ताकत का या राजनयिक चतुराई संक्षेप में कहें तो वैश्विक शक्ति संतुलन पूर्वी हवा की ताब पहले से कहीं अधिक है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

daily समाचार com
daily समाचार com
डेली samachaar.com
डेली samachaar.com

संकट में ईरान के रहबर बने मोखबर

- अरुण नैथानी

ईरान फिलहाल बड़े नेतृत्व व आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। यूं तो पहले से ही यह इस्लामिक देश अमेरिका और इस्राइल के निशाने पर रहा है। परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के लिये सख्त अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों से बचते-बचाते ईरान जैसे-तैसे अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश ही कर रहा था। मगर 20 मई के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी व विदेश मंत्री समेत कई महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौत, इस देश के लिये वज्रपात जैसी है। ऐसे में कार्यपालिका प्रमुख के रिक्त पद को भरना तात्कालिक चुनौती थी। ईरानी संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार विधिवत चुनाव होने तक उप-राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर देजफुली को ही राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दरअसल, ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद प्रधानमंत्री पद खत्म कर दिया गया था। फिर चुना गया राष्ट्रपति ही उपराष्ट्रपति का मनोनयन करता रहा है। इस पद पर बैठा व्यक्ति लगभग प्रधानमंत्री जैसे कार्यपालिका के दायित्वों को निभाता है। उपराष्ट्रपति को शासन प्रमुख के निधन के बाद राष्ट्रपति की तमाम शक्तियां व दायित्व केंद्रीय नेतृत्व की सहमति के बाद मिल जाते हैं। ईरानी संविधान के अनुसार पचास दिन के भीतर ही राष्ट्रपति का चुनाव संपन्न हो जाना चाहिए।

दरअसल, मोहम्मद मोखबर एक उच्च शिक्षित तथा क्रांति के विचार पोषक रहे हैं। उन्हें आर्थिक मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। ऐसे वक्त में जब परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने की वजह से ईरान पर सख्त प्रतिबंध लगे हैं तो मोहम्मद मोखबर ने ईरानी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिये भरसक प्रयास किये हैं।

ईरान के खुजेस्तान प्रांत के देजफुल शहर में 1955 में जन्मे मोहम्मद मोखबर देजफुल को उपनाम उनके शहर के नाम पर ही मिला है। गंभीर धार्मिक रुझान वाले परिवार में उनके पिता इस्लामिक उपदेशक की भूमिका में भी रहे हैं। अपने शहर में आरंभिक शिक्षा हासिल करने के बाद वे

चर्चा में चेहरा

उच्चशिक्षा के लिये अहवाज गए। बताते हैं कि उन्होंने इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के साथ ही प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री भी हासिल की। बाद में मैनेजमेंट व आर्थिक विकास में डॉक्टरेट भी की। ईरानी मीडिया के अनुसार मोहम्मद मोखबर ने बाद में अंतर्राष्ट्रीय कानून में पीएचडी भी हासिल की। कालांतर में वे इस्लामिक क्रांति से जुड़े वैचारिक संगठनों से जुड़े रहे। जिसमें तत्कालीन सरकार के विरुद्ध सक्रिय मंसूरुन ग्रुप के सक्रिय सदस्य थे। फिर खुजेस्तान में इस्लामिक रिपब्लिकन गार्ड्स कोर में खासे एक्टिव रहे। उनकी सक्रियता ईरान-इराक युद्ध के दौरान भी रही। युद्ध के बाद वे कई बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शीर्ष पदों पर रहे। सीमित अंतराल के लिये खुजेस्तान के डिप्टी गवर्नर की भूमिका भी रही। आर्थिक व प्रबंधन में गहरी पकड़ के चलते मोहम्मद मोखबर को सिना बैंक व ईरान सेल कंसोर्टियम में निदेशक मंडल जैसे बड़े पद मिले।

कालांतर में इस्लामिक गणराज्य की आर्थिकी रीढ़ कहे जाने वाली संस्था 'फरमान इमाम' के मुख्यालय के प्रमुख की नियुक्ति के रूप में बड़ी सफलता पायी। दरअसल, 'फरमान इमाम' की स्थापना इस्लामिक क्रांति के सूत्रधार आयतुल्लाह खुमैनी की रणनीति के तहत हुई थी। इस संस्था और मोहम्मद मोखबर के कद का पता इस बात से पता चलता है कि कुछ साल पहले अमेरिका ने इन पर प्रतिबंध लगाए थे। दरअसल, इस संस्था के कब्जे में इस्लामिक क्रांति के बाद जब्त अरबों की संपत्ति है। जो सीधे ईरान के सर्वोच्च धर्मगुरु अयातोल्लाह खामेनई के सुपरविजन में संचालित होती है। इस संस्था की अकूत संपदा की किसी ईरानी विभाग द्वारा निगरानी नहीं हो सकती है और संस्था का दखल कई महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्रों में है। उल्लेखनीय है कि मोखबर डेढ़ दशक तक फरमान इमाम कार्यकारी अधिकारी रहे।

दरअसल, ईरान के सुप्रीम नेता से करीबी संबंध और आर्थिक मामलों में गहरी पकड़ के चलते मोखबर ईरान के उपराष्ट्रपति बने थे। उन्होंने तमाम कट्टरपंथी नेताओं को मात देकर इस पद को हासिल किया था। वे जहां एक ओर सर्वोच्च धर्मगुरु अयातोल्लाह खामेनई के विश्वासपात्र रहे वहीं दिवगंत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के भी भरोसेमंद रहे हैं। दरअसल, ईरानी संविधान के अनुसार राष्ट्रपति ही उपराष्ट्रपति की नियुक्ति करता है, यह पद जनता द्वारा चयनित नहीं होता। यद्यपि वे पर्दे के पीछे से निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं, लेकिन उनकी आर्थिक नीतियों की सफलता को लेकर कई तरह के किंतु-परंतु होते रहे हैं। सवाल फरमान इमाम की आर्थिक नीतियों व काम करने के तौर-तरीकों तथा दर्जनों कंपनियों की मिल्कियत को लेकर भी उठते रहे हैं। संस्था सेवा कार्यों के लिये बरकत फाउंडेशन तथा नॉलेज फाउंडेशन भी चलाती है।

दरअसल, मोखबर तब भी सुर्खियों में आए थे जब कोरोना महामारी के दौर में बरकत फाउंडेशन के तत्वावधान में ईरानी वैक्सीन प्रोजेक्ट को सिरे चढ़ाने के प्रयास हुए थे। इन प्रभावशाली व बड़ी संस्थाओं में निर्णायक भूमिका के साथ ही वैक्सीन ने उन्हें देश में नायकत्व प्रदान किया। ईरानी सर्वोच्च धार्मिक नेता की सहमति से चली योजना को लेकर कई किंतु-परंतु भी सामने आए। मोखबर ने अपनी बेटी को पहली वैक्सीन लगाकर देश के लोगों का भरोसा हासिल करने का प्रयास किया।

दरअसल, मोहम्मद मोखबर ने अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों से उपजे संकट से देश को बाहर निकालने का सतत प्रयास किया। कालांतर में उनके योगदान व अनुभव के चलते ही उन्हें रेजिस्टेंट इकॉनमी का सर्वेसर्वा बनाया गया। वहीं ईरानी सत्ता के सूत्रधारों के साथ बेहतर रिश्तों के चलते वे पर्दे के पीछे के खेल के मंजे खिलाड़ी भी माने जाते हैं। बहरहाल, हेलीकॉप्टर हादसे के बाद उन्हें ईरान में एक बड़ी जिम्मेदारी निभाने का मौका मिला है।

प्रसन्न रहने की कला

संत तुलसीदास सदा प्रसन्न रहते थे। कुछ चोरों को यह बात अजीब लगती थी। चोरों ने यह सोचकर कि संत तुलसीदास के पास अपार धन होगा, उनका अपहरण कर लिया। वे संत को जंगल में ले गए और उनसे पूछा कि तुम्हारे पास कितना धन है जिसके कारण इतने प्रसन्न रहते हो?

संत तुलसीदास ने एक-एक कर हर चोर को अलग-अलग बुलाया और कहा, मेरे पास सुखदा मणि है, मगर मैंने उसे तुम चोरों के डर से जमीन में गाड़ दिया है। यहां से कुछ ही दूरी पर वह स्थान है। अपनी खोपड़ी के नीचे चंद्रमा की छाया में खोदना, शायद मिल जाए। यह कहकर संत तुलसीदास एक पेड़ के नीचे सो गए। सभी चोर अलग-अलग दिशा में जाकर खोदने लगे। जरा-सा उठते-चलते तो छाया भी हिल जाती और उन्हें जहां-तहां खुदाई करनी पड़ती। रात भर में सैकड़ों छोटे-बड़े गड्ढे बन गए, पर कहीं भी मणि का पता नहीं चला। चोर हताश हो गये। अंत में संत तुलसीदास हंस कर बोले, मूर्खो मेरे कहने का अर्थ समझो। खोपड़ी तले मणि छिपी है अर्थात? उसमें श्रेष्ठ विचारों के कारण मनुष्य प्रसन्न रह सकता है। तुम भी अपना दृष्टिकोण बदलो और जीना सीखो। चोरों को यथार्थ का बोध हुआ।

प्रस्तुति : अंजु अग्निहोत्री

आज का राशिफल

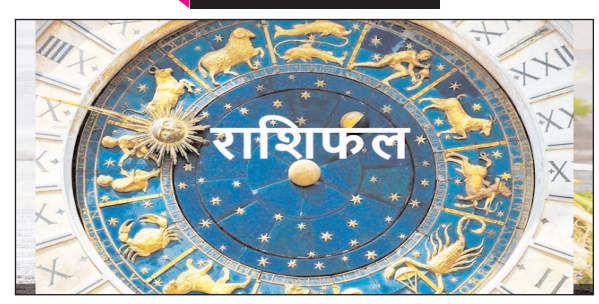

मेष- आज विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ रहेगा। आय के नए-नए स्रोतों से आय प्राप्त होगी। आप आज किसी नए मकान, वाहन, दुकान आदि की खरीदारी कर सकते हैं, लेकिन यदि कोई संपत्ति संबंधित विवाद आपका लंबे समय से चल रहा है, तो उसमें आपको समस्या होगी, क्योंकि विरोधी आपकी किसी बात को पकड़ सकते हैं।

वृष- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। कारोबार में आपके प्रयास आज तेजी पकड़ेंगे। महत्वपूर्ण मामलों पर आप पूरी निगाह बनाकर रखें। अपनी पुराणी गलतियों से सबक लें। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अत्यधिक मेहनत करनी होगी, तभी उनकी मेहनत रंग लाएगी।

मिथुन- आज के दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों को किसी बड़े पद की प्राप्ति हो सकती है, लेकिन आपको अपने लक्ष्यों पर पूरा फोकस करना होगा, तभी आप अपने लक्ष्य को पूरा पर सकेंगे।

कर्क- आज का दिन भागदौड़ से भरा रहने वाला है। आपके मन में एक साथ कई विचार आएंगे, जिन्हें आप अपने बिजनेस में तुरंत अमल करें, तभी आप उनसे अच्छा लाभ कमा सकेंगे। आपको किसी बड़े लाभ के चक्कर में कम लाभ पर भी ध्यान देना होगा, नहीं तो बाद में आपको समस्या हो सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहेगा। आज आपको जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेना है। आप अपने कामों में पूरी तैयारी से आगे बढ़ें, नहीं तो आपके साथ कोई धोखा हो सकता है। साझेदारी में आप किसी काम को करके उलझन में फंस सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए परस्पर सहयोग के भावना लेकर आने वाला है। धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लेनदेन बहुत ही सावधानी से करना होगा। कुछ महत्वपूर्ण प्रयास आपके तेज रहेंगे। आपको किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए भाई बहन से सलाह की आवश्यकता होगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहेगा। जो लोग राजनीतिक क्षेत्र में कार्यरत है, वह अपनी पूरी मेहनत और लगन से काम करेंगे और उनके पद में भी आज वृद्धि हो सकती है। ननिहाल पक्ष के लोगों से आप मेल मिलाप करने जा सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए उतार-चढ़ाव लेकर आने वाला है। आपको किसी बात को लेकर मानसिक तनाव बना रहेगा और माताजी से आपकी बेवजह किसी बात को लेकर झड़प हो सकती है। आप कार्यक्षेत्र में आप अपने से ज्यादा औरों के कामों पर ध्यान लगाएंगे, जिससे कामों में आपसे कुछ गड़बड़ी हो सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर आपको प्रसन्नता होगी, जिनसे मिलकर आपकी कुछ पुरानी यादें ताजा होंगी और आप अपने रुके हुए किसी काम को पूरा करने की आज पूरी कोशिश करेंगे। घूमने फिरने के दौरान आपकी किसी अपरिचित व्यक्ति से मुलाकात होगी, जहां आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए अपनी दिनचर्या में बदलाव के लिए रहेगा। आपको आज अपने कामों को लेकर मेहनत अधिक करनी होगी। इसके अलावा आज आप जनकल्याण के कार्यों से जुड़ेंगे। सामाजिक कार्यों में आपके जन समर्थन में भी इजाफा होगा।

कुंभ- कुंभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन आपके लिए आत्म विश्वास से भरपूर रहने वाला है। आज का दिन घर परिवार में खुशियां लेकर आने वाला है और माहौल उत्सव जैसा रहेगा। रक्त संबन्धी रिश्तों का पूरा बल देंगे और पारिवारिक मामलों में आपका सदस्यता बढ़ेगी। व्यक्तिगत प्रयास आपके तेज रहेंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको अच्छी तरक्की करते देख आपके विरोधी आपके ऊपर हावी होने की पूरी कोशिश करेंगे और व्यापार में आपको कोई निर्णय लेने से कोई बड़ा नुकसान हो सकता है और परिवार में कोई आपके खिलाफ षड्यंत्र रच सकता है। यदि कोर्ट कचहरी से संबंधित किसी मामले को लेकर आप परेशान चल रहे हैं, तो आपकी वह परेशानी भी दूर होगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगी।

कैरियर : ये 5 टिप्स आपके बहुत आएंगे काम

लाइफ में होंगे बेहद सक्सेसफुल

आज के समय में हर कोई चाहता है कि उसका करियर बेहतरीन बने ताकि उसे लाइफ में कभी भी किसी समस्या का सामना न करना पड़े.लेकिन आज दुनिया जिस तरह आगे बढ़ रही है, उससे नौकरियों के लिए होड़ और कंपटीशन भी बढ़ रहा है. कुछ भी तय नहीं है कि आज आप सफल होंगे भी या नहीं.

इन सबके बीच हर कोई अपने करियर को लेकर परेशान है कि आगे क्या होगा. ऐसा कैसे होगा? यकीनन एक अच्छा करियर लाइफ का बेहद जरूरी सब्जेक्ट है जिसका उचित चुनाव आपके जीवन की आगे की स्थिति और दिशा निर्धारित करता है. किस क्षेत्र में करियर बनाना है, यह तय करने में ये 5 टिप्स आपके बहुत काम आएंगे.

करियर चुनते समय इन 5 टिप्स की लें मदद

1-किसी के दबाव में करियर का चुनाव न करें

आप जिस क्षेत्र में रुचि रखते हैं, जिस फील्ड को आप अच्छी तरह से जानते हैं उस क्षेत्र में आप अधिक सफल हो सकते हैं. किसी के दबाव में चुना गया करियर कभी भी सफलता निर्धारित नहीं करता है और न ही खुशी लाता है. इसलिए हमेशा उसी फील्ड में जाएं जिसमें आपका इंटरेस्ट है और जिसमें आपको भरोसा है कि आप अच्छा कर सकते हैं.

2-फील्ड के बारे में सभी जानकारी ले लें

किसी भी फील्ड को अपने करियर के रूप में चुनने से पहले उससे संबंधित सभी जरूरी जानकारी इकट्ठा करें, इसके लिए आप पसंदीदा क्षेत्र के सफल लोगों से मिल सकते हैं और उनसे सलाह ले सकते हैं.

3-अपनी क्षमता को पहचान कर किसी फील्ड का चुनाव करें

किसी भी सफल व्यक्ति से प्रभावित हुए बिना अपनी एबिलिटिज और स्किल का अच्छी तरह से विश्लेषण करें, फिर संबंधित क्षेत्र में जाने का मन बनाएं.

4-अपने नेचर को पहचान कर फील्ड सेलेक्ट करें

आप सही करियर का चुनाव तभी कर पाएंगे जब आप अपने नेचर से अच्छी तरह वाकिफ होंगे. अपने स्वभाव को ध्यान में रखते हुए करियर चुनें. इसके अलावा ये भी देखें कि क्या आप जॉब कर सकते हैं या आपमें बिजनेस करने का स्किल है या फ्रीलांसर आपके व्यवहार के अनुरूप होगा.

5-अपने व्यवहार के उल्ट करियर न चुनें

अपने व्यवहार के उल्ट करियर का चुनाव न करें, क्योंकि आप उस क्षेत्र में अधिक समय तक टिके नहीं रह पाएंगे और यदि आप रहते भी हैं तो खुश रहने की संभावना कम हो जाएगी, जिसका प्रभाव निश्चित रूप से आपकी पर्सनल लाइफ पर भी पड़ेगा.

ज्वेलरी डिजाइनर की बढ़ रही है डिमांड

जैसा की आप जानते ही है की अब एक के बाद एक 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट आना शुरू हो चुके है और अब छात्र आगे अपना करियर बनाने के लिए किसी न किसी विषय का चयन कर रहे है.यदि आप ज्वेलरी डिजाइनर में अपना करियर बनाने के इच्छुक है तो आइए।

❑ ***ज्वेलरी डिजाइनिंग***- यदि आपकी की रुचि डिजाइनिंग क्षेत्र में जाने की है तो ज्वेलरी डिजाइनिंग आपके लिए बेहतर करियर विकल्प हो सकता है. भारत एक ऐसा देश है जहां लोगों में ज्वेलरी के प्रति सबसे ज्यादा क्रेज रहता है. इस वजह से ज्वेलरी इंडस्ट्री भी देश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है. इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस इंडस्ट्री की क्षमता 2015 तक 2.15 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है.

❑ ***इंस्टीट्यूट्स***

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, दिल्ली
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जेम्स एंड ज्वेलरी, जयपुर
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ज्वेलरी, मुंबई।

सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई

रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट में बनाएं कैरियर

आज जिस तेजी से दुनिया में विकास हो रहा है, उससे भी कहीं ज्यादा तेजी से एनर्जी की मांग बढ़ रही है. किसी भी इंडस्ट्री या प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले वहां की ऊर्जा की संभावनाओं की पड़ताल जरूरी होती है. जरूरतों के साथ ही अब पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को भी देखा जाने लगा है. तमाम पावर प्रोजेक्ट्स पर्यावरण संबंधी विषयों के चलते ही अटके पड़े हैं. इसलिए रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस्ड रहना उनकी मजबूरी है. इस क्षेत्र में भारत ने कई महत्वाकांक्षी योजनाएं बना रखी हैं. इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं कि कैसे इस क्षेत्र में अपना करियर बनाएं।

बायोफ्यूल की लगातार कम होती जा रही मात्रा और देश में एनर्जी की मांग को देखते हुए एनर्जी प्रोडक्शन और उसका प्रबंधन पहली प्राथमिकता बन चुका है. सरकारी के साथ-साथ निजी कंपनियां भी इस ओर विशेष जोर दे रही हैं. यही कारण है कि रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट के कोर्स की तेजी से मांग बढ़ रही है. समय के साथ-साथ ऊर्जा की मांग दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है.

इसलिए ऊर्जा के अतिरिक्त स्रोतों यानी वैकल्पिक ऊर्जा, सौर ऊर्जा, विंड एनर्जी, बायो एनर्जी, हाइड्रो एनर्जी आदि पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. इसके अलावा पर्यावरण के मुद्दों को देखते हुए भारत ने रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी योजना बना रखी है, क्योंकि सरकार का इरादा अगले साल तक 55 हजार मेगावॉट बिजली उत्पादन का है. कॉरपोरेट कंपनियां भी इस क्षेत्र में निवेश कर रही हैं।

❑ ***क्या है रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट***

मौजूदा प्रौद्योगिकी के अलावा नई तकनीक को अपना कर रिन्यूएबल एनर्जी (अक्षय ऊर्जा) के उत्पादन पर जोर दिया जा रहा है, ताकि बिजली की मांग के एक बड़े हिस्से की आपूर्ति व प्रदूषण में कमी के साथ-साथ हजारों करोड़ रुपये की बचत भी की जा सके. इसलिए सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देने पर बल दिया है।

❑ ***कौन से हैं कोर्स***

इसमें जो भी कोर्स हैं, वे पीजी अथवा मास्टर लेवल के हैं. छात्र उन्हें तभी कर सकते हैं, जब उन्होंने किसी विश्वविद्यालय या मान्यताप्राप्त संस्थान से बीटेक, बीई या बीएससी सरीखा कोर्स किया हो. एमएससी फिजिक्स के छात्रों को यह क्षेत्र सबसे अधिक भाता है।

❑ ***एमबीए कोर्स***

कई बिजनेस संस्थानों में एनर्जी मैनेजमेंट या पावर मैनेजमेंट जैसे एमबीए कोर्स भी ऑफर किए जा रहे हैं. इनको ग्रेजुएशन के बाद किया जाता है. रिसर्च करने के लिए मास्टर होना जरूरी है।

❑ ***कौन से हैं प्रमुख कोर्स***

* एमएससी इन रिन्यूएबल एनर्जी
* एमएससी इन फिजिक्स/एनर्जी स्टडीज
* एमटेक इन एनर्जी स्टडीज
* एमटेक इन एनर्जी मैनेजमेंट
* एमटेक इन एनर्जी टेक्नोलॉजी
* एमटेक इन रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट
* एमई इन एनर्जी इंजीनियरिंग
* पीजी डिप्लोमा इन एनर्जी मैनेजमेंट
* एमबीए इन रिन्यूएबल एनर्जी मैनेजमेंट
* एमफिल इन एनर्जी

❑ ***जरूरी गुण***

* आवश्यक स्किल्स
* लॉजिकल व एनालिटिकल स्किल्स
* कठिन परिश्रम से न भागना
* मेहनती व अनुशासन में रहना
* नई चीजें सीखने के लिए तत्पर रहना
* कठिन परिस्थितियों में बेहतर निर्णय लेने की क्षमता

❑ ***वेतनमान***- रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में डिप्लोमाधारी युवाओं को शुरू-शुरू में 25-30 हजार रुपये प्रतिमाह की नौकरी मिलती है. इस क्षेत्र में जैसे-जैसे वे समय व्यतीत करते जाते हैं, उनकी आमदनी भी बढ़ती जाती है.

❑ ***अनुभव से बढ़ेगी सैलरी***

अमूमन 3-4 साल के अनुभव के बाद यह सेलरी बढ़ कर 50-55 हजार रुपये प्रतिमाह हो जाती है।

कई ऐसे प्रोफेशनल्स हैं, जो इस समय 5-6 लाख रुपये सालाना सेलरी पैकेज पा रहे हैं. टीचिंग व विदेश जाकर काम करने वाले प्रोफेशनल्स की सेलरी भी काफी अच्छी होती है. इस क्षेत्र के जानकार प्रोफेशनल्स को अकसर सेलरी के लिए ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं प?ती, क्योंकि आज भी इस क्षेत्र में मांग की तुलना में करियर प्रोफेशनल्स की भारी कमी है.

यहां पर मिल सकता है काम

रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर से संबंधित सरकारी व निजी उद्योगों में करियर के तमाम विकल्प मौजूद हैं.

डिस्टेंस लर्निंग : कहीं भी हो बन जाएगा कैरियर

दूरस्थ शिक्षा, यानी पढ़ाई का एक ऐसा माध्यम, जिसमें आप घर बैठे, अपना काम करते हुए दुनिया के किसी भी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से डिग्री हासिल कर अपने क्षेत्र में उन्नति के शिखर पर पहुंच सकते हैं।

डिस्टेंस लर्निंग में आप मनचाहे कोर्स में दाखिला ले सकते हैं. ग्रामीण युवाओं को ध्यान में रख हुई शुरूआत ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में डिस्टेंस लर्निंग एजुकेशन के प्रति काफी क्रेज है.इसका एकमात्र कारण यह कि ग्रामीण छात्रों के लिए साधनों एवं अवसरों के अभाव में घर से दूर जाकर पढ़ाई करना लगभग असंभव सा होता है. ऐसे में दूरस्थ शिक्षा उनके लिए अवसरों के द्वार खोलती है. दूरस्थ शिक्षा से समाज के उस वर्ग को शिक्षित करने में मदद मिलती है जो सुविधाओं से वंचित है. वास्तव में दूरस्थ शिक्षा की शुरूआत ही इसी उद्देश्य से की गयी थी. शहरी युवाओं का भी रुझान डिस्टेंस एजुकेशन की ओर शहरी छात्रों का रुझान भी बढ़ा है.कई छात्र एवं छात्राएं हैं जो रेगुलर कोर्स से अपनी मुख्य पढ़ाई करते हुए कुछ अन्य विषयों की पढ़ाई दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कर रहे हैं. इसका प्रमुख कारण है, कड़ी प्रतिस्पर्धा के दौर में अपनी योग्यताओं एवं क्षमताओं को वस्तृत करने की ललक.दरअसल देश की इकोनॉमी ने पिछले डेढ-दो दशक में बडी करवट ली है, जिसके चलते एक ओर देश के बाजार मल्टीनेशनल कंपनियों के लिए खुले, तो दूसरी ओर देश के युवाओं के लिए नई गुंजाइशें भी पैदा हुईं. लेकिन इन बदली जरूरतों में युवाओं को बदले एजूकेशन प्रोफाइल की भी आवश्यकता पडी. पुराने माहौल में जब देश में एमबीए, बीटेक,एमसीए जैसे गिने चुने डिग्री धारकों को हाथों-हाथ लिया जाता था. आज इन डिग्रियों के बगैर जॉब मार्केट में आपका कोईनामलेवा भी नहीं मिलेगा. यही सब कारण है कि इन दिनों ज्यादा से ज्यादा युवा खुद को बाजार की जरूरत के हिसाब से ढालने में लगे हैं. इसका सकारात्मक असर इन कोर्सो की उपलब्धता पर भी पडा है.स्टूडेंट्स के बीच एमबीए का क्रेज बना हुआ है. कुछ लोग ग्रेजुएशन के बाद फुलटाइम एमबीए करने का लक्ष्य रखते हैं तो बहुत से लोग ऐसे भी हैं, जो मानते हैं कि जॉब करते हुए एमबीए की जाए तो आपको कार्यानुभव भी हो जाता है. किसी भी वजह से फुल टाइम एमबीए में प्रवेश न ले पाने वालों के पास डिस्टेंस मोड से भी एमबीए का अवसर हैं।

न्यूज एंकर के रूप में बनाएं कैरियर

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पैसा ग्लैमर और रोजगार की असीम संभावनाओं के कारण युवाओं की पहली पसंद बनता जा रहा है। न्यूज एंकर या न्यूज रीडर वह शख्स होता है जो खबर कैसी भी हो उसे अपने तरीके से प्रस्तुत कर रोचक बना देता है। सबसे ज्यादा ग्लैमरस और आकर्षित करने वाला क्षेत्र है न्यूज रीडिंग अर्थात समाचार वाचन।

आज न्यूज चैनलों की भरमार है। न्यूज रीडिंग का स्वरूप भी पूरी तरह बदल गया है। प्रतिदिन खुलने वाले न्यूज चैनलों की वजह से इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं भी बहुत अधिक बढ़ गई हैं। न्यूज रीडिंग के करियर में पैसा और प्रसिद्धि दोनों हैं।

न्यूज रीडिंग के लिए प्रशिक्षण जरूरी है क्योंकि प्रशिक्षण एवं अनुभव से ही एक बेहतर न्यूज एंकर बना जा सकता है। न्यूज रीडर बनने के लिए वाकचार्तुय, उच्चारण सही होना आवश्यक है। साथ भाषा ज्ञान भी आवश्यक है। सामान्य ज्ञान, समाचारों की समझ, आत्मविश्वास, हावभाव से अच्छे न्यूज रीडर बन सकते हैं। अच्छी पर्सनालिटी भी न्यूज रीडिंग के लिए बेहद जरूरी है।

न्यूज एंकरिंग का कोर्स आप निम्न संस्थानों से कर सकते हैं-

-एनआरएआई स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली।

-नेशनल स्कूल ऑफ इवेंट्स, मुंबई।

-प्राण मीडिया इंस्टीट्यूट, नोएडा।

-सेंट पॉल्स इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशन एजुकेशन, मुंबई।

-जीसस एंड मेरी कॉलेज, नई दिल्ली।

मूंगफली की चटपटी चटनी का जायका

- अनुराधा मलिक

मूंगफली को आमतौर पर 'सर्दियों का बादाम' माना जाता है। इसको सर्दी में खाना तो फायदेमंद है ही, लेकिन अगर गर्मियों में इसे भिगोकर, धनिये के साथ चटनी बनाकर खाएं तो इससे सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है। अगर आप गर्मियों में इस 'कच्चा बादाम' को खाते हैं तो इससे गैस, एसिडिटी और अपच जैसी परेशानी दूर होने के साथ ही अन्य फायदे भी मिलते हैं। मूंगफली में प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम पाए जाते हैं, जिससे कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद मिलती है। हड्डियां मजबूत होती हैं और पाचन क्रिया भी दुरुस्त रहती है। गर्मियों में तापमान बढ़ जाने से हमें अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसके लिए पानी से भरपूर चीजें खाने की सलाह दी जाती है जैसे- खीरा, तरबूज, खरबूज आदि। लेकिन गर्मियों में मूंगफली का उपयोग भी कर सकते हैं।

गर्मियों में भुनी मूंगफली की बजाय आप कच्ची मूंगफली उबालकर या पानी में भिगोकर खाएं। भिगोई मूंगफली के सेवन से मोटापा, कमजोरी आदि तो दूर होती ही है, साथ ही इससे आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होगा और हार्ट भी हेल्दी रहेगा। इसमें पाया जाने वाला ओमेगा 3 दर्द और सूजन को भी कम करता है।

पीनट चटनी

सामग्री- 100 ग्राम मूंगफली, एक कप धनिया की पत्ती, 4-5 लहसुन की कलियां, आधा टेबल स्पून लाल मिर्च, आधा टेबल स्पून जीरा, दो हरी मिर्च, स्वादानुसार नमक, आधे नींबू का रस।

विधि- मूंगफली को साफ करके एक कटोरी में रख लें। धनिया की पत्ती को अच्छे से काटकर धो लें। ब्लेंडर में मूंगफली, टमाटर, लहसुन, धनिया पत्ती, हरी मिर्च और जीरे को डालकर ब्लेंड कर लें। अब इसमें थोड़ा सा पानी डालकर चला दीजिए ताकि चटनी ठीक से पिस जाए। इसे कटोरी में निकालकर नमक और ऊपर से नींबू निचोड़ दीजिए। चटनी तैयार है और आप इसे स्नैक्स, दाबेली, दाल-चावल के साथ खा सकते हैं।

पीनट कुकीज-

सामग्री- एक कप भुनी हुई मूंगफली, एक चौथाई कप मैदा, दो टेबलस्पून पिसी मिश्री, थोड़ी-सी मूंगफली दरदरी कुटी हुई।

विधि- मूंगफली को पीसकर पेस्ट बना लें। इसमें मैदा और मिश्री मिलाएं और आटे की तरह गूंध लें। अब कुकीज के लिए पेड़े बनाकर उन्हें दरदरी मूंगफली में कोट कर लें। पैन को गैस पर पांच मिनट तक गर्म करें। फिर उसमें मीडियम फ्लेम पर 20-30 मिनट कुकीज बेक करें। अवन इस्तेमाल कर रहे हैं तो 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर 20-30 मिनट तक बेक करें। आपकी पीनट कुकीज़ तैयार हैं।

मूंगफली और खजूर के लड्डू

सामग्री- 300 ग्राम खजूर, एक कप भुनी और दरदरी मूंगफली, 2 टेबलस्पून खसखस व आवश्यकतानुसार शुद्ध घी।

विधि- खजूर से बीज निकाल लें और इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। खसखस को भी भून कर रख लें। अब पैन में एक टेबलस्पून घी डालें और उसमें मूंगफली को हलका-सा भूनकर निकाल लें। अब पैन में एक टेबलस्पून घी डालें और कटे हुए खजूर हलके-से भून लें। खजूर को मैशर से मैश करें और ठंडा होने दें। ठंडा होने पर इसमें भुनी हुई मूंगफली मिलाएं और हाथों में घी लगाकर लड्डू बना लें। लड्डुओं को खसखस में लपेटें और प्लेट में सजाएं।

इमली से करें पेट दर्द का इलाज

गलत लाइफस्टाइल और खराब खान-पान से अक्सर अपच की समस्या हो जाती है, जिसके कारण पेट में दर्द होता है। जब खाना पेट के अंदर जाने के बाद पचता नहीं है तो आधा पचा हुआ भोजन शरीर के लिए हानिकारक हो जाता है।

अपच के कारण पेट में दर्द के अलावा कई और स्वास्थ्य समस्याएं भी होने लगती हैं। यहां हम आपको विटामिन सी, ई और बी के साथ ही इसमें कैल्शियम, आयरन, फॉस्फोरस, पोटैशियम, मैगनीज और फाइबर से भरपूर खट्टी इमली से पेट दर्द का इलाज बताने वाले हैं।

पेट दर्द को ठीक करने के घरेलू उपाय

कच्ची इमली एसिडिटी और खून से संबंधित विकारों में फायदेमंद होती है। वहीं पकी इमली पाचनतंत्र में लाभ पहुंचाती है। इमली के कई औषधीय गुण हैं।

पेट में दर्द की समस्या दूर करने के लिए 1 चम्मच इमली की छाल का पाउडर, 1 चम्मच शहद और सेंधा नमक चाहिए होगा।

इमली की छाल का पाउडर, शहद और सेंधा नमक को एक साथ मिलाएं और इसका सेवन करें।

इसके सेवन से पेट दर्द से राहत मिलती है और पाचन तंत्र संबंधित बीमारी भी खत्म होती है।

वहीं सीने की जलन के लिए मिश्री के साथ इमली का शर्बत बनाकर पिएं।

दस्त होने पर इमली का इस्तेमाल

दस्त रोकने के लिए भी इमली का इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए आप इमली के 10 ग्राम पत्तों को 2 गिलास पानी में पकाएं। जब काढ़ा एक चौथाई रह जाए तो इसे छानकर पिएं। आपको लाभ होगा। इसके अलावा इमली के पेड़ की जड़ की छाल और काली मिर्च को आधी मात्रा में छाछ के साथ मिलाएं और इससे गोलियां बना लें। दिन में तीन बार 1-1 गोली खाने से दस्त में आराम होता है।

उदासी से उबारे अपनों का साथ

- डॉ. मोनिका शर्मा

उदासी किसी को कब घेर लेती है समझ ही नहीं आता? यह जानना भी मुश्किल होता है कि निराशा के भाव कैसे किसी के मन में डेरा जमा लेते हैं? न ही इस बात की खबर लग पाती है कि भावनात्मक बिखराव अचानक क्यों दस्तक देता है? या किस वजह से दिलो-दिमाग परेशानियों के भंवर में डूबने लगता है? ऐसे में उदासी से घिरते किसी के मन की मदद का सही रास्ता जानना भी आवश्यक है।

परवाह के प्रयास

कोई अपना हो या पराया, उदासी और उलझनों में फंस जाने के बाद उसे निकालने के प्रयास परिचित-अपरिचित सभी करते हैं। हर प्रयास मानवीय भाव लिए होता है। देखा जाए तो ऐसी कोशिशें जरूरी भी हैं। विचारणीय है तो यह कि अधिकतर लोगों को उदासी के दौर में किसी इंसान की सहायता करने के सही तरीके का पता ही नहीं होता। लाजिमी भी है क्योंकि मन का भी अपना विज्ञान होता है, और हर कोई इसका विशेषज्ञ नहीं हो सकता। ऐसे में एक हालिया शोध के नतीजे गौर करने लायक हैं। इस रिसर्च में सामने आया कि हर इंसान के मन को ठीक करने का तरीका इस बात निर्भर है कि मन की खिन्नता का कारण क्या है? इस शोध का सबसे ज्यादा ध्यान देने वाला पहलू यह है कि उदासी का कारण पता न होने पर भी ज्यादातर मामलों में उस इंसान के साथ में बैठकर बात करना बहुत मददगार साबित होता है। उसके आसपास के लोगों का शांत हो जाने या मन बहलाने के उपाय करने से ज्यादा जरूरी संवाद का सेतु बनाना है। सुखद यह कि मन का मौसम बदलने की यह कोशिश तो हर कोई सहजता से कर सकता है। बातचीत के बहाने किसी को सहज फील करवाने के लिए विशेषज्ञता नहीं चाहिए। बावजूद इसके शब्दों से किसी मन को साधने वाली परवाह का यह प्रयास कम ही देखने को मिलता है।

संवाद और साथ का भाव

आमतौर पर किसी अपने के उदास होने पर शॉपिंग या लंच-डिनर पर बाहर ले जाने , गुलदस्ता या उपहार भिजवाने या फिर हॉलिडे ट्रिप प्लान करने जैसे कदम बहुत उत्साहित होकर उठाए जाते हैं। मन बहलाने के इन उपायों में बहुत कुछ शामिल होता है, सिवा आपसी बातचीत के। जबकि सहज संवाद की राह पकड़े बिना किसी का भी मन उलझनों से बाहर नहीं आ सकता है। कई बार किसी के मन के गुबार को सुन लेना ही काफी होता है। अपनों की मौजूदगी ही किसी को बेहतर महसूस करवाने के लिए काफी होती है। यूं उलझन के दौर में किसी को सुनना यह विश्वास जगाता है कि आप उस इंसान की परवाह करते हैं। उसके मनोभावों को समझते हैं। परेशानी के दौर में उसके साथ हैं। इसीलिए किसी भी बहाने से बातचीत का सिलसिला शुरू करना आवश्यक है। ऐसे समय सुखद स्मृतियों की बात करना चेहरे पर मुस्कुराहट ला सकता है। साथ ही इमोशनल टूटन के दौर में उपलब्धियों का जिक्र या व्यक्तित्व के अच्छे पक्ष की सराहना भी मनोबल बढ़ा सकती है। ऐसी बातों से न केवल दिल बहलता है बल्कि मन का बोझ भी कम होता है। भविष्य की उम्मीदों को बल मिलता है। जिससे उदासी के बादल भी छंटते हैं।

अकेला न छोड़ें

अकसर बिगड़े मूड और बिखरी मनःस्थिति में लोगों को अकेला छोड़ दिए जाने की राह चुनी जाती है। 'कुछ समय में सब ठीक हो जाएगा' या 'इसे अकेले रहने दो, मन ठीक होगा तो बात करते हैं ' ऐसा सोचकर उस इंसान बातचीत करना बंद कर दी जाती है। इस शोध में शामिल लोगों से जब पूछा गया कि किसी जानने वाले से झगड़े या बहस के बाद वे अपनों से कैसी प्रतिक्रिया की उम्मीद रखते हैं? सबसे ज्यादा लोगों ने यह इच्छा जताई कि लोग उनका पक्ष सुनें और सहमति जताएं। साथ और संवाद के इस

भाव से उन्हें किसी के साथ का भरोसा मिलता है। यह बात अजीब लग सकती है।

निराशा में सहमति देना

सवाल उठता है कि निराशा की स्थिति में किसी को सुना तो जा सकता है पर उनका पक्ष जानकर सहमति ही जताई जाए, यह कैसे संभव है? असल में उस मनोदशा में साथ और संवाद की निरंतरता बनाए रखने के लिए ऐसा करना आवश्यक है। उस समय कुछ भी उनके मन मुताबिक न कहना उन्हें और गमगीन कर सकता है। इसीलिए दुखी करने या उकसाने वाली बात न कहें। बाद में सहज मनःस्थिति में उस घटना के हर पहलू पर बात की जा सकती है। अच्छे से सोच-समझकर सवाल-जवाब भी किए जा सकते हैं। यूं भी परेशानी से निकलने के बाद इंसान स्वयं भी अपने गलत या सही बर्ताव को स्पष्ट रूप से समझ ही जाता है। इसीलिए बिखरी मनोदशा में किसी से किनारा करने के बजाय कुछ कहने-सुनने का रास्ता पकड़ना चाहिए।

दिल को दुरुस्त रखने के लिए खाएं सहजन के फूल

अगर आपको हमेशा हेल्दी रहना है तो सबसे पहले अपनी डाइट को सही करें। ऐसे में आपको सबसे ज्यादा नेचुरल फूड्स की ओर बढ़ना चाहिए जो कि आपको अंदर से स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। ऐसा ही एक देसी चीज है सहजन के फूल । इन फूलों में एंटीबायोटिक और एंटीबैक्टीरियल गुण है जो कि आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं से बचने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें कई एंटीऑक्सीडेंट्स भी हैं जो कि दिल से जुड़ी बीमारियों से बचने में मदद करते हैं। तो, आइए जानते हैं सहजन के फूल के फायदे। इन 3 स्थितियों में बेहद कारगर है सहजन के फूल-

हाई कोलेस्ट्रोल में सहजन के फूल

हाई कोलेस्ट्रोस के मरीजों के लिए सहजन के फूलों का सेवन कई प्रकार से फायदेमंद है। पहले ये आपकी धमनियों में प्लाक को जमा होने से रोकता है और ट्राइग्लिसराइड्स व बैड फैट के कणों को कम करता है। इसके अलावा ये ब्लड फ्लो को सही करता है और फिर ब्लॉकेज को रोकर दिल की बीमारियों से बचाता है।

हाई बीपी में सहजन के फूल

हाई बीपी के मरीजों के लिए सहजन के फूलों से बना साग या इसकी सब्जी खाना बेहद फायदेमंद है। इसके एंटीऑक्सीडेंट्स और बायोएक्टिव कंपाउंड्स हाई बीपी की समस्या को करने और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। ये असल में दिल को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है और दिल को हेल्दी रखता है।

ब्लड वेसल्स को हेल्दी रखता है

सहजन के फूलों का सेवन, ब्लड वेसेल्स को हेल्दी रखने में मदद करता है। ये आपकी धमनियों की दीवारों को मजबूती देता है और फिर इन्हें अंदर से स्वस्थ रखता है। ऐसे में जब आपके ब्लड वेसेल्स हेल्दी रहते हैं तो आपको दिल से जुड़ी बीमारियां नहीं होती और ब्लॉकेज व दिल की बीमारियों से बचे रहते हैं। तो, इस मौसम में सहजन के फूलों की साग खाएं, इसकी पकोड़ी बनाएं या फिर इसकी सब्जी बनाकर खाएं। साथ ही कोलेस्ट्रोल कम करने के लिए आप इसका पानी भी पी सकते हैं।

जानिए शहद के हैरान करने वाले फायदे

कई ड्रिंक्स और भोजन को स्वाद में मीठा बनाने शहद का इस्तेमाल किया जाता है. मीठा बनानेवाली इस प्राकृतिक सामग्री के स्वास्थ्य फायदे भी हैरतअंगेज हैं. शहद को विभिन्न ड्रिंक्स और भोजन में उसके पोषण मान जोडने के लिए मिलाया जा सकता है. एंटीबैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट्स गुण होने के चलते आपके पाचन तंत्र, दिमाग और शरीर पर ये सुखदायक प्रभाव छोड़ता है. शहद को कई तरह से इस्तेमाल की जानकारी नहीं होने के चलते हम उससे पर्याप्त फायदा हासिल नहीं कर पाते हैं. अलग-अलग उद्देश्यों में शहद के इस्तेमाल करने का कुछ असामान्य तरीका है.

इनसोमनिया के लिए- अनिद्रा एक ऐसी स्थिति है जिसमें किसी शख्स को सो पाने में मुश्किल होती है. डाइट में शहद मिलाने से बेहतर नींद को बढ़ावा मिलता है क्योंकि उसका शरीर और दिमाग पर सुखदायक प्रभाव पड़ता है. गर्म दूध में भी शहद मिलाकर सोने से पहले इस ड्रिंक को पीया जा सकता है.

घाव के लिए- शहद का एंटीबैक्टीरियल और एंटी फंगल गुण घाव को जल्द भरने में सहायता करता है. मायो क्लीनिक के मुताबिक, जलने कटने पर शहद का इस्तेमाल घाव जल्दी ठीक करने को बढ़ाता है. लेकिन आपको शहद या इलालाज पर नहीं निर्भर रहना चाहिए. सबसे पहले अपने डॉक्टर की राय इलाज शुरू करने से पहले जरूर लें.

खांसी के लिए- ये खांसी कम करने, गले की खराश से लड़ाई में आपकी मदद कर सकता है. अदरक के रस की कुछ बूंदे एक चम्मच शहद के साथ मिलाकर आप ले सकते हैं. आप इस तरीके को सोने से पहले कुछ दिनों तक जारी रखने के बाद असर खुद देखेंगे.

स्किन के लिए- शहद आपके स्किन की सेहत को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है. ये स्किन को सुंदर, मुलायम और नमी देने के लिए प्राकृतिक मॉइस्चराइजर का काम करता है और मुहांसे को कम करने में भी मदद करता है. आप शहद की मदद से घरेलू फेस मास्क तैयार कर सकते हैं.

थायरॉइड में इन चीजों से मिलेगा फायदा

हर साल 25 मई को पूरी दुनिया में विश्व थाइरॉइड दिवस मनाया जाता है. इस दिन लोगों को थायरॉयड रोग के बारे में जानकारी दी जाती है और जागरूक किया जाता है. हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, हमारे शरीर के अंगों के सामन्य रूप से काम करने के लिए थायरॉइड हार्मोन का बैलेंस होना बहुत जरूरी है. थायरॉइड ग्रंथि के कम या ज्यादा मात्रा में हार्मोन बनाने से थायरॉइड की समस्या हो जाती है. इससे शरीर की कोशिकाएं प्रभावित होने लगती हैं. अगर आपने समय रहते इस बीमारी का इलाज नहीं करवाया तो ये खतरनाक भी हो सकती है. इसलिए बिना लापरवाही बरते थायरॉइड को गंभीर बीमारी की तरह लें. अपने खान-पान में सुधार लाएं. थायरॉइड को कंट्रोल करने के लिए अपनी डाइट में इन 5 चीजों को जरूर शामिल करें.

अदरक- आपको अपने खाने में अदरक जरूर शामिल करनी चाहिए. अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व, मैग्नीश्यिम और पोटेशियम पाए जाते हैं. जिससे थायरॉयड कंट्रोल रहता है.

आयोडीन- थायरॉयड को कंट्रोल करने के लिए आपको आयोडीन सही मात्रा में लेना चाहिए. कई बार डॉक्टर थयरॉयड के मरीज को समुद्री फिश खाने की सलाह देते हैं. जिसमें आयोडीन अच्छी मात्रा में पाया जाता है.

केला- फलों में केला को सुपरफूड माना जाता है. केला में पोटेशियम, विटामिन बी और कई दूसरे पोषक तत्व पाए जाते हैं. रोजाना एक केला खाने से थायरॉयड की समस्या दूर रहती है.

केसर- केसर को काफी गुणकारी माना जाता है. केसर को रात में भिगो दें और सुबह इसे खाएं. इससे थायरॉयड की समस्या काफी कम होती है. पीरियड के दिनों में भी केसर वाला दूध पीने से दर्द में आराम मिलता है.

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा c/o के.के. शर्मा पत्रकार कॉलोनी, रिंग रोड नं. 2, कस्तूरबा नगर बिलासपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि.जयस्तंभ चौक रायपुर, (छ.ग.) से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- mail2dainandini@gmail.com

कलेक्टर के निर्देश पर जनसमस्याओं का समाधान करने फील्ड में उतरे अधिकारी

दुर्ग (दैनंदिनी)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश के परिपालन में राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा फील्ड भ्रमण कर जनसमस्याओं की हकीकत से वाकिफ होकर इसके समाधान का प्रयास किया जा रहा है। एक ओर किसानों को आवश्यकता के मुताबिक वाजिब दाम पर कृषि आदान सामग्री उपलब्ध कराने कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है, वहीं पेयजल की समस्या से निपटने के उपाय भी किये जा रहे हैं। मिली जानकारी अनुसार आज जनपद पंचायत सभाकक्ष में एसडीएम दुर्ग श्री मुकेश रावटे द्वारा समिति प्रबंधकों और कृषि विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर खाद-बीज के भंडारण, उठाव की समितिवार समीक्षा की गई। खाद बीज के कालाबाजारी रोकने, नकली

खाद निर्माण के विरुद्ध लगातार जांच कर राजस्व एवं कृषि विभाग संयुक्त कार्यवाही करने तथा किसानों को समय पर खाद एवं बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने सतत् मॉनिटरिंग करने कहा गया है। इसके अलावा आधार सीडिंग करने, गिरदावरी की शुद्धतापूर्ण कार्यवाही करने सहित अन्य विषयों पर भी निर्देश दिए गए।

एसडीएम पाटन दीपक निकुंज द्वारा सहकारी समिति तेलीगुंडरा तथा कृषि बीज और खाद खरीदी केंद्र पाटन का निरीक्षण किया गया। कुम्हारी के नर्मदा कृषि केंद्र एवं कान्हा कृषि केंद्र कुम्हारी में उर्वरक विक्रेता के लाइसेंस एवं गोदाम में उपलब्ध उर्वरक का निरीक्षण किया गया। साथ ही दुकानदारों को सही रेट पर किसानों को खाद एवं उर्वरक बेचने और स्टॉक पंजी दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार एसडीएम भिलाई-3 श्री महेश राजपूत द्वारा ग्राम पंचायत मेड़ेसरा में वार्ड क्रमांक 3 एवं 4 में कुछ परिवारों को पेयजल की समस्या के संबंध में मौका निरीक्षण किया गया। प्रभावित परिवारों के घरों में नल कनेक्शन लगा हुआ है, परंतु टंकी से दूरी बहुत अधिक होने के कारण और साथ ही अधिकांश घरों में नल कनेक्शन में टुल्लू पंप का उपयोग किए जाने के कारण अंतिम छोर वाले घरों में पेयजल नहीं पहुंच पा रहा है। सरपंच एवं सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि तत्काल ही उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में निजी ट्यूबवेल से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। ग्राम पंचायत सचिव सरपंच को जिन घरों में टुल्लू पंप का उपयोग किया जा रहे हैं, उन्हें कड़ी चेतावनी देने और उसके बाद भी यदि उनके द्वारा उपयोग जारी रखा जाता है, तो राजस्व, पुलिस और पंचायत की टीम बनाकर जप्ती करने का निर्देश दिये गये।

दल्लीराजहरा माइंस में चल रहे बीएसपी के प्रोजेक्ट में मजदूरों का हो रहा शोषण

प्रबंधन पर प्रोडक्शन का दबाव बता ठेकेदार द्वारा बनवाया जाता हैं टेंपररी गेटपास

बालोद (दैनंदिनी)। भिलाई इस्पात संयंत्र की दल्ली राजहरा माईस में बीएसपी के प्रोजेक्ट में कार्यरत बीएसबीके कंपनी मजदूरों का शोषण कर रही हैं। इस कंपनी द्वारा मजदूरों के जीवन से खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। इस मामले में माइंस प्रबंधन एवं ठेकेदार की भी भूमिका संदिग्ध प्रतीत नजर आती है।

प्रोजेक्ट में कार्यरत कर्मियों का भुगतान भी शासन द्वारा तय दर पर नहीं किया जा रहा है। न ही वेतन का भुगतान समय पर किया जाता हैं। वर्षो से कार्यरत श्रमिकों का अस्थाई गेट पास बनाया जाता है। जो कि मात्र 15 दिनों के लिए वैध होता है। लगातार तीन बार टेंपररी गेटपास बनाने के पश्चात नियमानुसार मजदूरों का नियमित पास बनाने हेतु उन्हें सेफ्टी ट्रेनिंग एवं सरफेस वर्कर ट्रेनिंग देकर परमानेंट पास बनाया जाना चाहिए। किन्तु प्रोडक्शन का हवाला देकर माइंस क्षेत्र में ठेकेदार द्वारा लगातार लंबे समय से टेंपररी गेट पास ही बनवाया जा रहा है।

ऐसा कृत्य इसलिए किया जा रहा है क्युकी किसी श्रमिक की दुर्घटना होने पर कंपनी की जवाबदेही से साफ बचा जा सके। क्योंकि अस्थाई पासधारी श्रमिक की दुर्घटना पर कंपनी अपनी जवाबदेही से बच जाती है। जहां रोजगार लगाने के नाम पर माइंस में प्रोजेक्ट में कार्य कर रही कंपनियों के

अधिकारियों द्वारा काम पर लगाने के लिए स्थानीय बेरोजगार युवकों से लाखों रुपए वसूल पिछले दरवाजे से एंट्री कराई जा रही है वही उनके जीवन से भी खिडवाड़ किया जा रहा है।

जबकि गेट पास बनाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए प्रबंधन के दबाव डलवा कर ठेकेदार द्वारा गेट पास बनवाया जाता है। इस प्रक्रिया में इस तरह की त्रुटि की केवल प्रोजेक्ट में कार्य कर रही कंपनियों एवं ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए श्रमिको के जीवन से खिडवाड किया जा रहा है। जिसकी उच्च स्तरीय जांच करवाई जानी चाहिए। जिससे इस कार्य में लिप्त लोगों को रोका जा सके एवं स्थानीय बेरोजगार युवकों को शोषण से बचाया जा सके। मजदूरों को नियमित कार्य पर रखा जाए।

भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश द्विवेदी ने इस तरह हो रहे शोषण एवं बेरोजगारों के साथ खिलवाड़ को तत्काल बंद करने की मांग बीएसपी प्रबंधन तथा बालोद कलेक्टर से की है।

बायजूस ने भारत में 240 सेंटर्स पर नये बैचेस शुरू किए

बायजूस ट्यूशन सेंटर्स (बीटीसी), भारत में पढ़ाई के केन्द्रों का सबसे बड़ा और मजबूत नेटवर्क, ने अपने 240 लोकेशन पर 2024-25 के शैक्षणिक सत्र के लिये जोर-शोर से बैचेस शुरू कर दिये हैं। बीटीसी के-12 स्टूडेंट्स के लिये कक्षा पर आधारित प्रोग्राम लाते हैं। और इसमें बायजूस की डिजिटल पढ़ाई वाली पूरी दुनिया तक पहुँच भी मिलती है।

मौजूदा शैक्षणिक वर्ष के लिये बायजूस ने बीटीसी का वार्षिक शुल्क केवल 36,000 रूपये रखा है। यह नजदीकी ट्यूशन क्लासेस की तुलना में भी ज्यादा किफायती है। जबकि इसमें पाठ्यक्रम, अध्यापन और सिखाने की गुणवत्ता काफी बेहतर है। बायजूस के साथ टीचर बनने के लिये भी स्थानीय आधार पर कई लोग रुचि दिखा रहे हैं। पिछले दो महीनों से कंपनी को हर दिन ऐसे लगभग 1200 आवेदन मिल रहे हैं।

बायजूस के संस्थापक एवं सीईओ बायजू रवीन्द्रन ने 19 मई को अपने सारे बीटीसी सेंटर्स के प्रमुखों को सम्बोधित किया था और इंट्राप्रेन्योरशिप पर आधारित बिजनेस का एक अभिनव

मॉडल बताया था। उन्होंने कहा था, ''मैं चाहता हूँ कि आप सभी खुद को इन सेंटर्स का आंशिक रूप से मालिक समझें, सिर्फ मैनेजर नहीं।'' इस मॉडल के तहत बीटीसी सेंटर्स के प्रमुख को अपने सेंटर के परिचालन से होने वाले फायदे का एक हिस्सा मिलेगा, अगर वो क साल की अवधि के लिये वे तय एडमिशन कर पाते हैं और गुणवत?ता बनाये रख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, ''हमने हर सेंटर में करोड़ों रूपयों का निवेश किया है। और आप आंशिक तौर पर उसके मालिक बन सकते हैं, वह भी मुफ्त में! हमने आपके लिये जमीन तैयार कर दी है। लेकिन वहाँ कोई छत नहीं है। आप कितनी ऊँचाई पर जाते हैं, यह आप पर निर्भर करता है।'' बीटीसी के प्रमुख अपनी टीमें खुद नियुक्त कर सकते हैं और बायजूस के पुराने कर्मचारियों को भी ले सकते हैं।

बायजू रवीन्द्रन ने कहा, ''बीटीसी भारत के लाखों बच्चों के लिये पूरक शिक्षा के अनुभव को बदलने की बड़ी क्षमता रखते हैं। सही प्रोग्राम्स, समर्पित शिक्षकों, सक्षम बनाने वाली टेक्नोलॉजी और स्थायी वित्तीय मॉडल के साथ, मेरा मानना है कि हम बीटीसी को पैमाने और प्रभाव के मामले में शानदार ऊँचाइयों पर पहुँचा सकते हैं।''

आकाश के 300 से ज्यादा सेंटर्स के साथ बीटीसी के 240 हाइब्रिड लर्निंग सेंटर्स बायजूस ग्रुप को भारत में पढ़ाई के केन्द्रों के सबसे बड़े नेटवर्कों में से एक बनाते हैं।

इस नेटवर्क की विभिन्न जगहों पर मौजूदगी है, जैसे कि बिलासपुर, खरार, डिब्रूगढ़, वापी, लातूर, आसनसोल, धुले और तिरुपति। यह अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा को भारत में सुदूरतम जगहों पर पहुँचा रहा है।

वास्तु से समाधान

– पं. देव नारायण शर्मा (वास्तु सलाहकार)

– दैनिक दैनन्दिनी https://www.dainandini.in

गर्भवती महिला का शयन कक्ष वास्तु शास्त्र के अनुकूल रखें

वास्तु टिप्स

गर्भवती महिला का शयनकक्ष हवादार होना चाहिए । कमरे के अंदर प्राकृतिक हवा और प्रकाश का आगमन होना चाहिए।

गर्भवती महिला के कमरे में बाल गोपाल की तस्वीर या मूर्ति रखना बेहद शुभ माना जाता है।

तस्वीर या मूर्ति को इस तरह लगाएं कि महिला को सुबह उठते ही तस्वीर के दर्शन हो।

ऐसा करने से भगवान की छवि बच्चे पर पड़ती है और वह उन्हीं की तरह आज्ञाकारी होता है।

ऐसी मान्यता है कि आप जिस चीज को बार बार देखते हैं आपके और बच्चे के कोमल मन में उसकी एक गहरी छाप बन जाती है ।

गर्भवती महिला जब दिन भर अपने पति के स्मरण में रहती है तो बच्चे का स्वभाव और चेहरा भी पति के समान हो जाता है ।

सकारात्मक किताबें पढ़ें

गर्भवती महिला के कमरे में आप रामायण या श्रीमद्भागवत पुराण भी रख सकते हैं।

साथ ही इनके रोज पढ़ने से इसका शुभ असर बच्चे पर पढ़ता है। वह बच्चा काफी संस्कारी भी होता है।

माना जाता है रोज यह ग्रंथ पढ़ने से बच्चे के अंदर इन आध्यात्मिक पुस्तकों का असर होना स्वाभाविक है ।

ऐसे बच्चों की तस्वीर लगाएं

स्वस्थ और मुस्कुराते बच्चों की तस्वीरें गर्भवती महिला के कमरे में लगाना अच्छा रहता है।

तस्वीर को इस दिशा में लगाएं जहां वह तस्वीर उन्हें बार-बार दिखे। माना जाता है, इससे बच्चा भी स्वस्थ और खुशमिजाज होता है।

पति-पत्नी की ऐसी रखें तस्वीर

वास्तुशास्त्र के अनुसार, गर्भवती महिला के कमरे में पति-पत्नी की हंसती-मुस्कुराती तस्वीरें भी लगानी चाहिए।

इससे वह अपने माता-पिता के बेहद करीब रहता है।

इससे गर्भवती महिला हमेशा सकारात्मक रहती है और होने वाला बच्चा भी स्वस्थ रहता है।

गर्भवती महिला के कमरे में कभी भी महाभारत, चाकू-छूरी, मायूसी वाली तस्वीरों को नहीं रखनी चाहिए, साथ ही उसके आसपास भी ये सब ना हों।

अगर आप चाहते हैं कि आपका आने वाला सन्तान बुद्धिमान और शांत स्वभाव का हो तो गर्भवती महिला को भी अपने मन को शांत करने का उपाय करना होगा ।

गर्भवती महिला को डॉ द्वारा सुझाये गए योग के अभ्यास को नियमित रूप से करना चाहिए।

मन को स्वस्थ और सकारात्मक रखें

इसके लिए आप किसी ध्यान के प्रशिक्षक के पास जाएं और दिन में कम से कम 30 मिनट ध्यान का अभ्यास करें ।

ध्यान के नियमित अभ्यास से आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अंदर से होगा और इसका गहरा असर बच्चे के ऊपर पड़ता है ।

डिजिटल डिटॉक्स- वाट्सएप और फेसबुक से दूरी बनाकर भी आप इनके नकारात्मक प्रभाव से बच सकते हैं ।

24 घण्टे घर मे इंटरनेट कनेक्शन को चालू रखने से उसकी नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव आपके मन पर पड़ता है । इसलिए ज्यादातर समय इसे बंद रखें।

सन नेटवर्क ने सन नियो पर नए ओरिजिनल शोज का फर्स्ट लुक किया जारी

भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री अपनी शुरुआत से ही मनोरंजन का एक प्रमुख स्रोत रही है। समय के साथ नाटकीय फिल्में और ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसे कई नए माध्यम उभरे हैं लेकिन टीवी प्रसारण इंडस्ट्री की शक्ति और पहुँच सबसे आगे रही है। कई विशेषज्ञों के अनुसार यह शुरू से ही इंडस्ट्री पर राज करता आ रहा है, आज भी कर रहा है और भविष्य में भी करता रहेगा।

दर्शकों का मनोरंजन करने और उनका ध्यान खींचने के लिए टेलीविजन पर हर दिन नए शो लॉन्च किए जाते हैं। सन नेटवर्क का नया हिंदी जीईसी चैनल सन नियो सिर्फ एक शो नहीं है, बल्कि एक नया चैनल भी है जो अपने मूल शो के

साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। अन्य मार्केट्स में अपनी पकड़ मजबूत करने के बाद, यह मीडिया नेटवर्क अब अपने हिंदी शोज के साथ हिंदी भाषी क्षेत्र में लोगों को लुभाने के लिए तैयार है।

ख़ास बात यह है कि सन नेटवर्क ने हाल ही में, एक नहीं, बल्कि अपने तीन नए मूल शोज का पहला लुक जारी किया, जिसमें कई लोकप्रिय चेहरे शामिल थे जिन्हें देखकर कई दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। चैनल द्वारा जारी किए गए मोशन पोस्टर में तीन शोज नज़र आ रहे हैं, जो विभिन्न प्रकार के कंटेंट पेश करते हैं, जिनका नाम है छठी मैया की बिटिया, इश्क़ जबरिया, और साझा सिंदूर।

छठी मैया की बिटिया, शो में देवोलीना भट्टाचार्जी एक नए अवतार में हैं। यह पारंपरिक विषयों के साथ एक भक्ति शैली पर बना शो है, जो एक देवी और एक इंसान के बीच के रिश्ते की खोज करता है। इश्क़ जबरिया जबरन विवाह और ड्रामा की अवधारणा पर बना नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जबकि साझा सिंदूर रिश्तों और वैवाहिक जीवन की जटिल गतिशीलता पर प्रकाश डालता है।

इन शोज का पहला लुक दर्शकों का धमाकेदार मनोरंजन करने का वादा और दर्शकों द्वारा पसंद किए जाने की उम्मीद करता है। यह मोशन पोस्टर दर्शकों में न सिर्फ उत्साह पैदा करता है बल्कि उनकी जिज्ञासा को भी बढ़ाता है कि शो में क्या पेश किया जाएगा। दर्शक प्रोमो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। तीनों शो जल्द ही सन नियो पर लॉन्च होंगे।

तकनीकी क्षेत्र में युवाओं को स्वावलंबी बना रहा अदाणी फाउंडेशन

'सक्षम' प्रोग्राम के जरिए 8 सालों में 1.5 लाख युवाओं को किया प्रशिक्षित

क्या होगा अगर आपसे कहा जाए कि अदाणी कौशल विकास केंद्र (एएसडीसी) के तहत प्रशिक्षित छात्र एंटरप्रेनरशिप और एम्पलाईमेंट के अवसरों के माध्यम से सालाना एक हजार 300 करोड़ रुपये का सृजन कर रहे हैं। ये एक ऐसा इको-सिस्टम है जो देश के युवाओं को सशक्त बना रहा है ताकि वे अपना बिजनेस शुरू कर सकें या नौकरी के लिए तैयार हो सकें।

अदाणी फाउंडेशन ने 16 मई 2016 को सक्षम लॉन्च किया और अब सक्षम अपनी यात्रा के आठ साल पूरे कर चुका है। आज, भारत के 15 राज्यों में 40 अदाणी कौशल विकास केंद्र मौजूद हैं और उन्होंने अब तक 1.5 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया है।

सक्षम प्रोजेक्ट का टेक्नोलॉजी पर खासा जोर रहा है। हम तेजी से डिजिटल दुनिया में प्रवेश कर चुके हैं जहां नौकरी और बिजनेस के कई मौके सामने हैं। बड़े पैमाने पर उपयोग के लिए अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी विकसित करने की बात आती है तो भारत उस दौड़ में सबसे आगे है। डिजिटल पेमेंट का इकोसिस्टम इंटीग्रेशन इसका एक शानदार उदाहरण है। इसने बैंकिंग को आसान बना दिया गया है।

एएसडीसी का सबसे बड़ा स्किल फैसिलिटी सेंटर आंध्र प्रदेश के कृष्णापट्टनम में है। ये सेंटर युवाओं को 21 सिमुलेशन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के लिए तैयार करता है। ये सिमुलेटर वास्तविक दुनिया के संचालन के लिए आवश्यक आभासी वातावरण बनाकर प्रशिक्षण दे रहे हैं, जिससे कई छात्रों को काफी फायदा हो रहा है।

इनोवेशन के जरिए एएसडीसी ने सस्टेनेबल लाइवलीहुड के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी को सक्षम बनाने की दृष्टि से अपने सिलेबस में

टेक्नोलॉजी को अपना रहा है। एएसडीसी युवाओं को लगातार नवीनतम सामग्री उपलब्ध कराता रहा है। अब लगभग सभी सामग्री डिजिटल प्रारूप में परिवर्तित कर दिए गए हैं और एएसडीसी द्वारा डिज़ाइन की गई अपनी स्वयं की लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर उपलब्ध है। एएसडीसी ने मेटावर्स-आधारित सक्षम प्लेटफॉर्म पर चार ट्रेनिंग प्रोग्राम पेश किए हैं। यहां यह जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (जीडीए), बेसिक्स ऑफ फायर सेफ्टी, स्मार्ट मीटर इंस्टालेशन टेक्निशियन और डोमेस्टिक इलेक्ट्रिकल वायरिंग जैसे कोर्स ऑफर किए जाते है।

जीडीए पर मल्टी यूजर कैपेबिलिटी कोर्स वीआर हेडसेट के माध्यम से आभासी वातावरण में सहकर्मी छात्रों के साथ सीखने और सहयोग करने के अवसर प्रदान करता है। दुनिया के किसी भी कोने से छात्र वीआर हेडसेट का उपयोग करके इस कोर्स में शामिल हो सकते हैं। इसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए, सीखने को मज़ेदार बनाने के लिए कुछ गेमिफिकेशन और इंटरैक्टिव सत्र भी जोड़े गए हैं।

एएसडीसी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कोर्स भी शुरु किया है। सक्षम केंद्रों में सिखाए जाने वाले कुछ एआई उपकरण चैटजीपीटी, लियोनार्डो.एआई, सिंथेसिया.आईओ, डीपब्रेन. एआई, कोपायलट, कैनवा और साउंडराव आईओ हैं जो युवाओं को उनके दिन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोग के बारे में विस्तार से जानने में मदद करते हैं- एएसडीसी ड्रोन पायलट, थ्री डी प्रिंटिंग, डेटा एनालिटिक्स और लुकरस्टूडियो, पावरबी और टेबल्यू के माध्यम से डैशबोर्डिंग के साथ डेटा साइंस पर खासा जोर दे रहा है।

एएसडीसी, ना सिर्फ टेक्निकल कोर्स पर ध्यान दे रहा है बल्कि प्लेसमेंट को लेकर भी रुप-तैयार की गई है। यहां के छात्रों की अमेज़ॅन इंडिया और फ्लिपकार्ट में नौकरी भी लग चुकी है।

एएसडीसी के प्रयासों और योगदान को मान्यता मिली है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों संस्थानों से सराहना और उल्लेखनीय पुरस्कार भी मिले हैं। दिसंबर 2022 में यूएसए में ब्रैंडन हॉल ग्रुप से गोल्ड श्रेणी में बेस्ट एडवांस्ड यूनिक लर्निंग टेक्नोलॉजी और दिल्ली में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन इनोवेशन श्रेणी में सीआईआई ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन डीएक्स 2023 पुरस्कार से सम्मानित किया है।

समाचार संक्षेप

अग्रसेन महाविद्यालय में कला केंद्र का शुभारंभ

रायपुर। अग्रसेन महाविद्यालय में इस सत्र से अकादमिक कक्षाओं के साथ ही संगीत, नृत्य एवं ललित कलाओं के प्रशिक्षण के लिए ÷अग्रसेन कला केंद्र÷ प्रारंभ किया गया है। इस केंद्र में शास्त्रीय नृत्य के साथ ही लोक गायन तथा वादन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कला केंद्र की प्रभारी डॉ आकांक्षा दुबे ने बताया कि यहाँ विभिन्न विधाओं के प्रशिक्षण के लिए अपूर्वा शर्मा (कत्थक), ऋषिकेश जॉय (बांसुरी), राजेश शर्मा (ढोलक), स्नेहा पाण्डेय (लोक गायन एवं सुगम संगीत) की सेवाएँ उपलब्ध हैं। साथ ही अमन सोनी द्वारा फाइन आर्ट्स का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इन अनुभवी कलाकारों के सान्निध्य में अभ्यर्थियों को विभिन कला और सगीत की बारीकियां सीखने को मिलेंगी। उन्होंने बताया कि केंद्र के प्रारंभ होते ही इन सभी विधाओं में बच्चे, युवा तथा महिलाएं बड़ी संख्या में प्रवेश लेकर इस केंद्र के संचालन का भरपूर लाभ ले रहे हैं। केंद्र के संचालन में प्राध्यापक प्रो. ऋतुलता तारक एवं प्रो नीलू अग्रवाल सहयोगी के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इन कक्षाओं के विषय में महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. वी.के. अग्रवाल ने बताया कि अग्रसेन महाविद्यालय में अकादमिक गतिविधियों के अलावा अन्य सांस्कृतिक नवाचारों को भी प्रोत्साहित किया जाता है। इसी कड़ी में यह केंद्र स्थापित किया गया है। समिति के सचिव तथा महाविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि इस कला केंद्र के माध्यम से प्रतिभागियों में छिपी प्रतिभा को आकार देना ही इसका मुख्य प्रयोजन है। प्राचार्य डॉ. युलेंद्र कुमार राजपूत ने कहा कि महाविद्यालय ने अध्ययन- अध्यापन के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में रचनात्मक गतिविधियों से अपनी विशेष पहचान कायम की है। इसी पहल के तहत अग्रसेन कला केंद्र आरंभ किया गया है, जिसे लगातार अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है. .

कांग्रेस पहले यह तय कर ले कि वह नक्सलवाद खत्म करना चाहती है या नहीं : संजय श्रीवास्तव

रायपुर। भाजपा प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस पहले यह तय कर ले कि छत्तीसगढ़ में वह नक्सलवाद खत्म करना चाहती है या नहीं। दीपक बैस, भूपेश बघेल और कांग्रेस के नेताओं के बयान और नक्सलियों के जारी पत्रों में वैचारिक सामानाता संदेह को जन्म देता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने पिछले 5 वर्ष के कार्यकाल में घोषणा पत्र में लिखने के बावजूद न तो नक्सल नीति बनाई और ना ही उसे पर अमल किया। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद जिस प्रकार लगातार मुठभेड़ में सफलता प्राप्त हो रही है और जिस प्रकार लगातार भाजपा की सरकार नक्सलियों से वार्ता के लिए वातावरण तैयार कर रही है। ऐसा लगता है कि यह बात दीपक बैस और कांग्रेस को अच्छी नहीं लग रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा है कि 3 वर्ष के भीतर छत्तीसगढ़ में, देश में नक्सलवाद खत्म होकर रहेगा। उनकी नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार छत्तीसगढ़ की विष्णु देव सरकार और उनके उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा नक्सल उन्मूलन को लेकर कार्य कर रहे हैं वह बताता है कि भाजपा सरकार की स्पष्ट नीति है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र का विकास करना है । नक्सलवाद में फसे युवाओ को मुख्य धारा में लाकर उनके पुनर्वास के कार्य करने हैं और दूसरी तरफ जो नक्सली बंदूक की नली से बात करना चाहते हैं उन्हें उस भाषा में जवाब देना है। उन्होंने कहा कि दीपक बैस और कांग्रेस को यह स्पष्ट समझ जाना चाहिए की जनता उनकी मंशा समझ चुकी है।

शक्ति पंप्स को इनोवेटिव मोटर टेक्नोलॉजी के लिए मिला 14 वां पेटेंट

रायपुर। भारत में सोलर पंप और मोटर बनाने वाली अग्रणी निर्माता कम्पनी शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड को ÷मेथड एंड ऐपरेटस फॉर सॉफ्ट स्टार्ट, सॉफ्ट स्टॉप, प्रोटेक्शन एंड ब्राउन आउट ऑपरेशन ऑफ़ अ ग्रिड कनेक्टेड मोटर का आविष्कार करने के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ है। ÷भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने पेटेंट अधिनियम 1970 में निर्धारित प्रावधानों का पूरी तरह से पालन करते हुए शक्ति पंप्स को यह पेटेंट प्रदान किया है। यह पेटेंट दाखिल करने की तारीख से 20 वर्षों की अवधि के लिए मान्य है। यह कम्पनी को मिला 14 वां पेटेंट है। यह पेटेंट तकनीक मोटर और ग्रिड विद्युत प्रणालियों दोनों के लिए कई प्रमुख लाभ प्रदान करती है। यह मोटर की गति को धीरे-धीरे बढ़ाकर, सॉफ्ट स्टार्टर मोटर और जुड़े उपकरणों पर मेकेनिकल स्ट्रेस को कम करता है जिससे मोटर की लाइफ बढ़ती है साथ ही मेंटेनेंस कॉस्ट भी कम होती है। यह पारंपरिक स्टार्टिंग टेक्निक के सडन टॉर्क और मैकेनिकल शॉक को खत्म करते हुए, एक स्मूथ और नियंत्रित स्टार्ट देती है, जो सेंसिटिव उपकरणों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। यह नई पेटेंट तकनीक मोटर और ग्रिड विद्युत प्रणालियों में इनपुट को बूस्ट करती है।

अलग-अलग क्षेत्र से दोपहिया वाहन पार

रायपुर। शहर के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी दया तिवारी 28 वर्ष लोहार चौक सरस्वती कन्या शाला के पास रहता है। प्रार्थी ने आजाद चौक थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एचजेड 7202 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

इसी तरह दूसरे मामले में कंकालीपारा निवासी गजेन्द्र कुमार निर्मलकर ने पुरानी बस्ती थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 सीआर 1134 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

छत्तीसगढ़ में 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त

रायपुर

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में भी शुरू हो चुकी है। आचार संहिता के चलते अभी लोगों के पंजीयन तो कराए जा रहे हैं मगर सोलर प्लांट के कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं। चार जून के बाद आम लोगों को इस योजना का फायदा मिलेगा। इससे प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिल सकेगा। वह बचने वाली बिजली बेच भी सकेंगे। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर छत्तीसगढ़ के लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है और कम समय में ही 3,363 घरों ने अपना पंजीकरण करवा लिया है। इनमें 1,941 आवेदन स्वीकार भी कर लिए गए हैं। 1,422 आवेदन चारणीय नहीं किए गए हैं । इस योजना के तहत कुल स्थापित रूफटाप सौर संयंत्रों की संख्या 36 है। इस योजना के तहत प्रदेश में एक लाख से अधिक सोलर प्लांट लगाने की तैयारी है। छत्तीसगढ़ में आरईसी लिमिटेड को नोडल अधिकारी बनाया गया है। आम घरेलू उपभोक्ता अपने स्वीकृत भार तक की क्षमता के रूफटाप सोलर प्लांट स्थापित कर सकते हैं। आरटीएस कार्यक्रम के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा जिलेवार नोडल अधिकारी बनाए गए हैं।

एक सोलर प्लांट में आएगा इतना

खर्च–पीएम सूर्यघर योजना के तहत हर परिवार को दो किलोवाट के सोलर प्लांट के खर्च राशि में से 60 प्रतिशत सब्सिडी के रूप में अकाउंट में आएगा। इसी तरह तीन किलोवाट के सोलर प्लांट के लिए अतिरिक्त एक किलोवाट के प्लांट पर 40 प्रतिशत सब्सिडी मिलेगी। उदाहरण के लिए अगर आप तीन किलोवाट का प्लांट लगाएंगे तो लगभग 1.45 लाख रुपये की लागत आएगी। उसमें से 78 हजार रुपये की सब्सिडी सरकार देगी। बचे हुए 67,000 रुपए के लिए सस्ते बैंक लोन की व्यवस्था सरकार ने की है। बैंक रेपो रेट से केवल 0.5 प्रतिशत ज्यादा ही ब्याज वसूल सकेंगे।

घरेलू परिवारों के लिए लागू सब्सिडी– एक किलोवाट क्षमता के लिए 30,000 रुपये, दो किलोवाट क्षमता के लिए 60,000 रुपये और तीन किलोवाट और अधिक की क्षमता के लिए 78,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी। केंद्र सरकार ने पीएम सूर्यघर योजना के लिए नेशनल पोर्टल लांच किया है। इसमें आपको अपने बिजली कनेक्शन का कंज्यूमर नंबर, नाम, पता, राज्य और कितनी क्षमता का प्लांट लगाना है जैसी जानकारियां भर सकते हैं। उसी के अनुसार आपके यहां सोलर प्लांट लगेगा और उसी के अनुरूप आपको सब्सिडी मिल पाएगी। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना 13 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लांच किया था। इसके तहत देश में एक करोड़ घरों में छत पर सौर संयंत्र स्थापित करना है। लोगों को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान किया जाना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29 फरवरी 2024 को 75,021 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ पीएम-सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दी थी।

सीजीपीएससी भर्ती परीक्षा घोटाला

फोरेंसिक जांच से खुलेगी अनियमितता की कुडली

रायपुर

सीबीआइ ने पूर्ववर्ती भूपेश सरकार में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में हुई अनियमितता की जांच शुरू कर दी है। पीएससी की 2020 और 2021 के डिप्टी कलेक्टर-डीएसपी की भर्ती परीक्षा में चयनित विवादित उम्मीदवारों की प्रीलिम्स और मेंस की आंसरशीट को जांच के लिए सीबीआइ की फोरेंसिक लैब भेजा जाएगा। जांच एजेंसी यह पता लगाने के प्रयास में है कि आंसरशीट में रोल नंबर और प्रश्नों के जवाब अलग-अलग समय में तो नहीं लिखे गए हैं। इसके साथ ही उम्मीदवारों की हैंडराइटिंग की भी विशेषज्ञों से जांच कराई जाएगी। 18 चयनित उम्मीदवारों से पूछताछ की भी तैयारी है।

साइंटिफिक जांच इसलिए–भर्ती परीक्षा के बाद आरोप लगाया गया है कि कुछ उम्मीदवारों का चयन गलत तरीके से किया गया है। उन्होंने परीक्षा हाल में आंसरशीट खाली छोड़ दी थी। जिसे दूसरे लोगों ने भरा है। फारेंसिक जांच से इन आरोपों का सच सामने आएगा, उसके बाद जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी।

किस बोर्ड में हुआ किस अभ्यर्थी का इंटरव्यू–सीबीआइ साक्षात्कार लेने के लिए बनाए गए तीन पैनलों का रिकार्ड भी खंगाल रही है। एक बोर्ड में तो तत्कालीन चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी भी थे। सीबीआइ यह भी पता लगा रही है कि किस बोर्ड की ओर लिए गए साक्षात्कार में सबसे ज्यादा लोगों का चयन हुआ। बोर्ड के सदस्यों का चयनित अभ्यर्थियों या उनके स्वजनों से कोई संबंध तो नहीं है। इंटरव्यू बोर्ड के सदस्यों के पांच साल का काल डिटेल, गूगल लोकेशन से लेकर वाट्सएप चैट ?तक खंगाले जाने की तैयारी है। वहीं चयनित अभ्यर्थियों के फोन की भी तकनीकी जांच की जाएगी।

राजधानी के मास्टर प्लान में गड़बड़ी वित्त मंत्री चौधरी ने दिए जांच के निर्देश

रायपुर

राजधानी के मास्टर प्लान में बड़ा खेला हुआ है। जांच समिति का मानना है कि व्यवस्थित शहर के लिए प्लान में एक तिहाई तक बदलाव करना होगा। दरअसल, मास्टर प्लान में मिली शिकायतों के बाद मार्च में पहली बार जांच समिति बनी थी। उसने जांच में पाया कि शहर के बड़े हिस्से में नियमों के बाहर जाकर बदलाव किया गया है। पूर्व कांग्रेस शासन काल में राजधानी के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग रायपुर ने वर्ष 2031 के लिए जो मास्टर प्लान लागू किया है इनमें थोक में गड़बड़ियां पाई गई है। इसकी जानकारी प्रारंभिक रिपोर्ट में सामने आई है। इस रिपोर्ट के आधार पर शासन अब दोबारा दावा-आपत्तियां मंगाने की तैयारी में है। यह दावा-आपत्ति सिर्फ उन्हीं प्रकरणों के लिए मंगाई जाएंगी, जिनमें गड़बड़ी मिली है।

जानकारी के मुताबिक, कमेटी की प्रारंभिक जांच में नये मास्टर प्लान में कई तरह की गड़बड़ी सामने आई है। इसमें कहीं जलाशय की जगह को आवासीय घोषित कर दिया गया है तो कहीं आवासीय क्षेत्र को जलाशय क्षेत्र के रूप में दर्शाया गया है। इसके अलावा कई जमीनों को आवासीय की जगह में तो कहीं कृषि भूमि को मिश्रित एवं व्यवसायिक क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इस पूरे मामले में पार्षद एवं स्थ्रष्ट सदस्य सुंदर जोगी का कहना है कि सरकार मास्टर प्लान को लेकर जो भी निर्णय लाए मंजूर है। वहीं पार्षद एवं उपनेता प्रतिपक्ष मनोज वर्मा ने कहा, पिछले कई बार हम मास्टर प्लान में हुई गड़बड़ियों को लेकर नगर निगम की आमसभा में आवाज उठा चुके है, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई है। इस बार बीजेपी की सरकार में जरूर जिम्मेदार पर गाज गिरेगा।

जांच के बाद दोषियों पर होगी उचित कार्रवाई - ओपी चौधरी–मास्टर प्लान में गड़बड़ियों को लेकर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जांच के निर्देश भी दिए हैं। मंत्री चौधरी ने कहा, मास्टर प्लान के संबंध में अनेक बार यह विषय विधानसभा में भी उठा था। लगातार अनेक शिकायती भी हुई थी। अभी मास्टर प्लान की जो भी गड़बड़ियां हुई है जो भी प्रक्रिया है गलतियां है गड़बड़ियां है, किसी के द्वारा गलत किया गया हो उसके लिए एक कमेटी आवास पर्यावरण विभाग के अंतर्गत उसके जांच का काम कर रही है। जो भी गलत हुए हैं उस पर उचित कार्रवाई की जाएगी। उसे ठीक करने का काम भी किया जाएगा।

दो पार्ट में तैयार किया गया है मास्टर प्लान–रायपुर शहर के 2031 के मास्टर प्लान से पहले दो बार ही प्लान लागू किया गया था। राज्य बनने के बाद पहला मास्टर प्लान 2000 में लाया गया था, जो 2001 से 2011 तक के लिए लागू था। फिर 2011 से 2021 तक लाया गया, लेकिन 2011 में जारी मास्टर प्लान विवादों के चलते पहले जारी किए गए। प्लान में कई संशोधन के बाद इसे 2011 में फिर से जारी किया गया था। 2021 के बाद 2031 तक के लिए तीसरा प्लान बनाया गया।

नाले के पाइप में मिली महिला की लाश

रायपुर

टिकरापारा थाना क्षेत्र के कौशल्या विहार (कमल विहार) के सेक्टर-4 में एक 26 से 30 साल की महिला की गुरुवार दोपहर लाश मिली है। पुलिस को आशंका है कि महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के बाद हत्या की गई है। महिला की लाश सुनसान झाड़ियों में नाले के पाइप में मिली है। पुलिस मर्ग कायम कर लाश को पोस्टमार्टम करने के लिए भेज दिया है। अभी महिला की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक महिला की लाश तीन से चार दिन पुरानी है। नाले के पास से बदबू आने पर आस-पास के लोगों ने वहां जाकर देखा, तो एक महिला की लाश अर्धनग्न हालत में पाइप के अंदर पड़ी थी। इसके बाद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस तथा फारेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने आस-पास पतासाजी की तो घटना स्थल के पास शराब की खाली बाटल के अलावा डिस्पोजल पड़े मिले। पुलिस को आशंका है कि नशेड़ियों ने महिला के साथ दुष्कर्म कर हत्या की होगी। पुलिस टीम ने द्वारा शव परीक्षण करने पर मिला की महिला के सिर और चेहरे पर चोट के निशान हैं। पुलिस ने आशंका जताई है कि महिला द्वारा विरोध करने पर आरोपितों ने मारपीट की होगी। सिर तथा चेहरे पर गंभीर चोट लगने की वजह से महिला की मौत हुई होगी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया की महिला की लाश अर्धनग्न हालत में थी। इस वजह से पुलिस महिला के साथ दुष्कर्म होने की आशंका व्यक्त कर रही है। शुक्रवार को महिला की शार्ट पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद महिला की मौत का असल वजह के साथ दुष्कर्म की बात की पुष्टि होगी। अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

नौतपा आज से : बढ़ेगा सूर्य का प्रकोप

रायपुर

साल के सबसे गर्म नौ दिन, जिन्हें नौतपा कहा जाता है, इसकी शुरुआत 25 मई से हो रही है और 2 जून तक रहेगी। ज्योतिषियों के अनुसार 25 मई दोपहर 3.17 बजे सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के साथ ही नौतपा शुरू होगी और कृष्ण पक्ष की द्वितीया को सूर्य कृतिका से रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश कर आठ जून तक इसी नक्षत्र में रहेंगे। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार नौतपा के शुरूआती चार दिन में तो तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा, लेकिन प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में बारिश के साथ अंधड़ चलने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार द्रोणिका के प्रभाव से प्रदेश में इन दिनों नमी का आना शुरू हो गया है। इसके चलते शुक्रवार को बस्तर व सरगुजा संभाग के कुछ क्षेत्रों में अंधड़ के साथ बारिश के आसार हैं। हालांकि प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। गुरुवार को रायपुर सहित प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहा। भले ही तापमान में मामूली गिरावट रही, लेकिन उमस में बढ़ोतरी रही। रायपुर का अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम व न्यूनतम तापमान दोनों ही सामान्य से थोड़े कम रहे, लेकिन तेज धूप के चलते उमस अधिक रही।

प्रदेश में तिल्दा रहा सबसे गर्म

गुरुवार को प्रदेशभर में तिल्दा सर्वाधिक गर्म रहा, तिल्दा का अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले चार दिनों तक प्रदेश के अधिकतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में अंधड़ के साथ बारिश की संभावना है। पेंड्रा रोड का अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस और अंबिकापुर का अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश में मौसम का मिजाज फिलहाल ऐसा ही बना रहेगा और कुछ क्षेत्रों में अंधड़ चलने के साथ हल्की बारिश के आसार बने हुए हैं।

यह बन रहा सिस्टम

मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम राजस्थान से झारखंड तक 0.9 किमी ऊंचाई तक फैला है। साथ ही ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम बिहार के ऊपर 0.9 किमी ऊंचाई तक फैला हुआ है। इसके प्रभाव से उत्तर व दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में अंधड़ चलने के साथ ही बारिश के आसार हैं। विशेषज्ञों के अनुसार 27 व 28 मई को तपिश बढ़ने की संभावना है तथा 29 मई को तापमान में थोड़ी गिरावट आएगी और तपिश कम होगी। इसके बाद 30 मई से 2 जून तक मौसम के मिजाज में विशेष बदलाव की उम्मीद नहीं है।

आयुष्मान योजना से निजी अस्पतालों को बढ़ाने की तैयारी

रायपुर

छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से निजी अस्पतालों की संख्या बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। निजी अस्पताल संचालकों से लगातार बातचीत जारी है। योजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में रहने वाले पात्र परिवारों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उसके तहत आयुष्मान योजना में मरीजों की सुविधा के लिए अस्पतालों की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का प्रदेश में क्रियान्वयन के लिए राशनकार्ड धारी 2.10 करोड़ से अधिक लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है। बाकी लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य चल रहा है। प्रदेश के सभी शासकीय अस्पतालों के अलावा 553 निजी चिकित्सालय योजना के अंतर्गत पंजीकृत है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10.92 लाख हितग्राहियों ने शासकीय अस्पतालों में योजना का लाभ लिया है। निजी अस्पताल में 4.73 लाख लोगों ने योजना का लाभ उठाया है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत पंजीकृत अस्पतालों में निर्धारित हेल्थ पैकेज के अनुसार समुचित इलाज की मानिटरिंग सुनिश्चित करने के लिए राज्य नोडल एजेंसी के द्वारा नियमित निगरानी की जाती है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 1500 से भी अधिक बीमारियों को शामिल किया गया है।

अस्पतालों में राशन कार्ड से भी इलाज

प्रदेश में किसी व्यक्ति के पास आयुष्मान कार्ड नही है तो शासकीय और पंजीकृत अस्पतालों में राशनकार्ड से निश्शुल्क इलाज किया जाता है। अस्पतालों में राशन कार्ड से तत्काल आयुष्मान कार्ड बन जाता है। आयुष्मान योजना के नोडल अधिकारी डा. खेमराज सोनवानी ने कहा, स्वास्थ्य विभाग का प्रयास पात्र परिवारों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उसके तहत आयुष्मान योजना में मरीजों की सुविधा के लिए अस्पतालों की संख्या बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। निजी अस्पताल संचालकों से इसे लेकर लगातार बातचीत की जाती है।

महादेव सट्टा एप्प: दबिश देकर 5 सटोरियों को दबोचा

रायपुर

महादेव ऑनलाइन सट्टा एप्प पर रायपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. रायपुर पुलिस ने दिल्ली में महादेव सट्टा पैनल के रेड्डी अन्ना ग्रुप के 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार है. आरोपी दिल्ली में एक फ्लैट लेकर सट्टा का संचालन कर रहे थे.

रायपुर पुलिस टीम ने उसी अपार्टमेंट में एक फ्लैट लेकर सटोरियों की रेकी की और दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों में दो नेपाल, एक यूपी, एक एमपी और एक छत्तीसगढ़ का शामिल है. पुलिस ने इनके कब्जे से 4 लैपटॉप, 15 मोबाइल, 4 चेकबुक, 4 पासबुक और कैलकुलेटर जब्त किए है. पुलिस को जब्त खातों से करोड़ों के ट्रांजेक्शन की मिली जानकारी है. बता दें कि एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना डीडीनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने 11 अप्रैल को आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा संचालित करते आरोपी अनिल आहूजा उम्र 48 साल निवासी विकास विहार कालोनी कृष्णा अपार्टमेंट डीडी नगर को गिरफ्तार कर कब्जे से 1 मोबाइल फोन एवं नगदी रकम जब्त कर कार्रवाई की थी.

रेकी कर दी दबिश–गिरफ्तार सटोरिया से जानकारी मिली थी की उसके अन्य साथी दिल्ली में बैठकर अन्ना रेड्डी एप पैनल के माध्यम से सट्टा संचालित कर रहे हैं, इस पर रायपुर पुलिस ने एक टीम का गठन कर दिल्ली रवाना किया. टीम के सदस्यों ने दिल्ली पहुंच कर सटोरियों की पतासाजी की और सटोरियों को लोकेट किया. सटोरिए दिल्ली के मोहन गार्डन स्थित शिव शक्ति अपार्टमेंट के एक फ्लैट में रहकर सट्टा खेला रहे थे. इस पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट टीम के सदस्यों ने उसी अपार्टमेंट में फ्लैट किराये पर लिया और फ्लैट की रेकी की और फ्लैट के हर व्यक्ति के बारे में जानकारी प्राप्त की. सभी आरोपियों के फ्लैट में मौजूद होने पर टीम ने रेड मारी. रेड में फ्लैट के अंदर 5 व्यक्ति मिले, जो लैपटॉप एवं मोबाइल से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे. सटोरियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर आईपीएल क्रिकेट मैच में अन्ना रेड्डी आर-555 आईडी पैनल के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा का संचालन स्वीकार किया. इस पर 5 सटोरियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लैपटॉप 4, 15 मोबाइल फोन, 4 चेकबुक, 6 पासबुक 22 एटीएम कार्ड, कैल्कुलेटर तथा वाईफाई राउटर जब्त किया. आरोपियों के विरूद्ध थाना डीडीनगर में छग जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 7 के तहत् कार्रवाई की गई.

सूने मकान से नकदी सहित लाखों रुपए के जेवर पार

रायपुर। कबीरनगर स्थित मारूति होम के फ्लैट नंबर 501 के ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी 7 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सुनील कुमार गुप्ता 29 वर्ष मारूति होम फ्लैट नंबर 501 का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी 17 मई को अपने परिवार के साथ कहीं बाहर गया था। जब 20 मई को वापस आया तो देखा की उसके फ्लैट का ताला टूटा हुआ है.और आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर सहित नकदी 7 हजार रुपए गायब है। चोरी गए जुमला कीमती करीब 3 लाख 15 हजार 601 रुपए के आसपास बताई जा रही है।

लोन लेने के लिए ITR बनवाए मात्र 500/- रू. में

जी.एस.टी. रिटर्न	FOOD लायसेंस
इनकम TAX फाईल	MSME रजिस्ट्रेशन
TDS रिफन्ड	प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस	डिजिटल सिगनेचर

सम्पर्क- शेखर गुप्ता WWW.ONLYTDS.COM
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद करने हेतु तैयार
9300755544, 8878655544

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक–ब्रजेश शुक्ला द्वारा आशीर्वाद, सी–255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि.जयस्तंभ चौक रायपुर, (छ.ग.) से मुद्रित। फोन–0771–4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com